



तत एवं पुष्पन अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

**PM
SHRI**

PM SHRI Schools for Rising India

DISCIPLINE

VALUES

KNOWLEDGE

EXCELLENCE

प्रस्फुटन

विद्यालय पत्रिका

2026-27

PM SHRI
KENDRIYA
VIDYALAYA
NO 1 SHIFT 1

RAIPUR,
CHHATTISGARH

Empowering
Students for a
Brighter
Tomorrow

केन्द्रीय

विद्यालय

केन्द्रीय विद्यालय नं. 1

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
NO 1 SHIFT 1

Nurturing Minds...
Building the Nation

विद्या यदाति विनयं विनयाद याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥



ज्ञान
Learning
for Life



संस्कार
Values for
Life



सेवा
Service to
Society



संकल्प
Focus for
Excellence

एक विद्यालय, अनेक संभावनाएं,

★ उज्जवल भविष्य की ओर ★



WHATS IN SIDE

1.MESSAGES

**2. MEET THE
EDITORIAL TEEAM**

3.TEACHERS

4.ACHIEVEMENTS

5.NCC ACTIVITIES

**6. SCOUT GUIDE
ACTIVITIES**

7.STUDENT ACTIVITIES

8.ENGLISH ARTICLE

9. HINDI ARTICLE

10. SANSKRIT ARTICLE

**11 ARTIFICIAL
INTELLIGENCE ARTICAL**

11. ART AND PAINTING





उपायुक्त का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षक गण एवं प्रबुद्ध पाठकों,
मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 रायपुर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'प्रस्फुटन' के नए संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी शिक्षण संस्थान की पत्रिका उसके छात्रों की बौद्धिक चेतना, सृजनात्मक क्षमता और उनके समग्र विकास का आईना होती है। 'प्रस्फुटन' नाम स्वतः ही इस बात का प्रतीक है कि यहाँ विद्यार्थियों की सुसुप्त प्रतिभाओं को अंकुरित होने और खिलने का बेहतरीन अवसर मिल रहा है।

आज के इस आधुनिक और तकनीकी युग में जहाँ सूचनाओं की भरमार है, वहाँ बच्चों में मौलिक सोच, लेखन और साहित्य के प्रति रुचि जगाना एक सराहनीय प्रयास है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और ऐसे सजग नागरिकों को तैयार करना है जो राष्ट्र की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह संस्था इस दिशा में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचारों, कविताओं और रचनात्मक लेखों को अभिव्यक्त करने का जो मंच मिला है, वह उनके आत्मविश्वास को और सुदृढ़ करेगा। मैं पत्रिका के इस अंक में योगदान देने वाले सभी बाल-लेखकों की सराहना करती हूँ।

मैं 'प्रस्फुटन' के इस सफल और ज्ञानवर्धक प्रकाशन के लिए पूरी संपादकीय टीम, प्राचार्य, समस्त शिक्षकों और प्यारे बच्चों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ। मैं संस्था के उज्ज्वल और प्रगतिशील भविष्य की कामना करती हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

सुश्री सोमा घोष

उपायुक्त (Deputy Commissioner)

(केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर)



संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, प्रबुद्ध अभिभावकों एवं समर्पित शिक्षक गण,
मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 रायपुर की वार्षिक पत्रिका 'प्रस्फुटन' का नया संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। 'प्रस्फुटन' केवल पन्नों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों की मौलिक सोच, रचनात्मकता और उनकी अंतर्निहित प्रतिभा के प्रस्फुटित होने का एक जीवंत माध्यम है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। हमारी संस्था का यह निरंतर प्रयास रहता है कि हम विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण प्रदान कर सकें जहाँ वे न केवल अकादमिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, बल्कि खेलकूद, कला, साहित्य और नैतिक मूल्यों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनें।

आज के बदलते परिवेश में यह अत्यंत आवश्यक है कि हम अपने बच्चों को जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए तैयार करें और उनमें एक संवेदनशील व जिम्मेदार नागरिक के गुण विकसित करें। इस पत्रिका के माध्यम से हमारे नन्हे लेखकों और विचारकों को अपने विचारों को खुलकर व्यक्त करने का जो मंच मिला है, वह उनकी भविष्य की राह को और सुदृढ़ बनाएगा।

मैं इस पत्रिका के सफल और सुरुचिपूर्ण प्रकाशन के लिए संपादक मंडल, सभी कर्मठ शिक्षकों और प्रिय विद्यार्थियों को हृदय से बधाई देता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'प्रस्फुटन' का यह अंक आप सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और पठनीय सिद्ध होगा।

मैं विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की मंगल कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित!

श्री विवेक कुमार चौहान

सहायक आयुक्त
(केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर)



शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, रायपुर (प्रथम पाली) द्वारा अपनी वार्षिक विद्यालय पत्रिका 'प्रस्फुटन' का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी विद्यालय की पत्रिका केवल पृष्ठों का संग्रह नहीं होती, बल्कि वह विद्यार्थियों के अंतर्मन की अभिव्यक्ति, उनकी रचनात्मकता और विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक उपलब्धियों का जीवंत दर्पण होती है। पत्रिका का नाम 'प्रस्फुटन' अपने आप में सार्थक है। यह हमारे युवा विद्यार्थियों की सुप्त प्रतिभाओं के प्रस्फुटित होने और उनके विचारों को नए पंख मिलने का प्रतीक है। आज का युग केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास (Holistic Development) का काल है। 'पीएम श्री' योजना के अंतर्गत विद्यालय जिस प्रकार आधुनिक, तकनीक-युक्त और मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान कर रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों को अपनी लेखन शैली, मौलिक विचारों और कलात्मक कौशल को निखारने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगी। इस रचनात्मक प्रयास के लिए मैं विद्यालय के प्राचार्य, कर्मठ शिक्षक गण, संपादन मंडल के सभी सदस्यों और प्यारे विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं 'प्रस्फुटन' के सफल प्रकाशन और विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी अनंत शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(शुभकामनाओं सहित)

श्री रवींद्र कुमार

सहायक आयुक्त

(केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर)



प्राचार्य की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों और कर्मठ शिक्षकों,
मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हमारे विद्यालय की वार्षिक पत्रिका “प्रस्फुटन” एक बार फिर छात्रों की रचनात्मकता और संस्था की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण और जीवन कौशल सीखने का एक माध्यम है। हमारा उद्देश्य छात्रों को केवल शिक्षित करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसे जिम्मेदार नागरिक बनाना है जो भविष्य की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना कर सकें। मुझे यह देखकर गर्व होता है कि हमारे छात्रों ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि खेल, कला और अन्य पाठ्य-सहगामी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। “प्रस्फुटन” पत्रिका के पन्नों में हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों की साल भर की मेहनत की झलक आपको देखने को मिलेगी। मैं “प्रस्फुटन” पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादकीय टीम, समर्पित शिक्षकों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आइए, हम सब मिलकर अपने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और विद्यालय की निरंतर प्रगति के लिए संकल्पित हों।
सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ!

अशोक कुमार चंद्राकर
प्राचार्य



MEET THE EDITORIAL TEAM

HINDI SECTION

- 1.MR.DINESH CHANDRA KAUSHIK
2. MR. AJAY KUMAR YADAW
3. MR. PAWAN KUMAR VERMA
4. MR. SHASHIKANT VERMA

ENGLISH SECTION

- 1.. MRS MALLIKA RAY
2. MR. ADIL YEZDANI
3. MR. PRABHU SHANKAR
4. MR. RAJESH KUMAR CHOUHAN
5. MR. RET RAM PATEL

SANSKRIT SECTION

- 1.SANTOSH KUMAR SURYAWANSHI
- 2.Smt BHARTI SANSKRITI

Design by
MS. SWATI SAHU



अपनी बात... (संपादकीय)



"अंकुरित होने की चाह में, जब विचार मचलते हैं, तभी 'प्रस्फुटन' के सुंदर, नवल रूप ढलते हैं।"
प्रिय पाठकों, सस्नेह नमस्कार।

सृजनशीलता मानव मन का सबसे खूबसूरत उपहार है। जब एक छोटा-सा बीज मिट्टी की परतों को चीरकर बाहर आता है, तो वह केवल एक पौधा नहीं होता, बल्कि जीवन की असीम संभावनाओं का प्रस्फुटन होता है। हमारे प्रिय विद्यार्थियों के मन में उमड़ते विचार, उनकी कल्पनाएँ और उनकी अनकही भावनाएँ भी ठीक उसी बीज की तरह हैं, जिन्हें यदि सही परिवेश और मंच मिले, तो वे साहित्य और कला के अद्भुत उपवन में बदल सकते हैं।

अत्यंत हर्ष और गौरव के साथ हम विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'प्रस्फुटन' का यह नवीन संस्करण आपके हाथों में सौंप रहे हैं। यह पत्रिका केवल कुछ पन्नों का संग्रह नहीं है, बल्कि हमारे बच्चों की मासूम सोच, उनके सपनों, उनकी कविताओं, कहानियों और रंग-बिरंगे चित्रों के माध्यम से उनकी अंतर्निहित प्रतिभा का सजीव दस्तावेज है।

इस डिजिटल और भागदौड़ भरी जिंदगी में, जहाँ स्क्रीन पर उँगलियाँ चलाना आम बात हो गई है, हमारे विद्यार्थियों ने कागज और कलम से नाता जोड़कर अपनी मौलिकता को जीवित रखा है। इस पत्रिका के हर पन्ने को पलटते हुए आप महसूस करेंगे कि बच्चों की सोच कितनी व्यापक और गहरी है। कहीं देशप्रेम की गूंज है, कहीं पर्यावरण के प्रति चिंता, तो कहीं बचपन की अल्हड़ शरारतें।

हम उन सभी नन्हें लेखकों और कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अपनी अनमोल रचनाओं से इस पत्रिका को सजाया है। साथ ही, यह अंक आदरणीय अध्यक्ष महोदय, उपायुक्त महोदय और प्राचार्य जी के कुशल मार्गदर्शन तथा हमारे शिक्षक गणों की निरंतर प्रेरणा के बिना संभव नहीं था। पूरी संपादकीय टीम बधाई की पात्र है, जिसने दिन-रात एक करके इस अंक को यह सुरुचिपूर्ण रूप दिया।

कोई भी सृजन तब तक अधूरा है, जब तक उसे सहृदय पाठकों का साथ न मिले। हमें पूर्ण विश्वास है कि 'प्रस्फुटन' का यह प्रयास आपके दिलों को छुएगा और आप बच्चों के इस प्रयास को अपना भरपूर स्नेह व आशीर्वाद देंगे।

पत्रिका को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आपके बहुमूल्य सुझावों का हमें सदैव इंतजार रहेगा।

आइए, पन्ने पलटें और बच्चों की इस खूबसूरत दुनिया में खो जाएँ!

शुभकामनाओं सहित,

दिनेश चन्द्र कौशिक



Teacher's Achievement



Completing the Pre-Commission Refresher Course (PRCN-JD) at the Officers Training Academy (OTA), Kamptee, Nagpur, from 03 February to 19 March 2025 has been one of the most enriching milestones of my professional journey. The successful completion of this rigorous training enabled me to serve as an Associate NCC Officer (ANO) with the rank of Second Officer.

The course enhanced my leadership, discipline, decision-making, teamwork, and organizational abilities while reinforcing the core values of the National Cadet Corps—Unity and Discipline. The knowledge and experience gained during the training have inspired me to mentor cadets with greater confidence and dedication, helping them grow into responsible, disciplined, and patriotic citizens.

I extend my heartfelt gratitude to the Commanding Officer, 27 CG Battalion NCC, Raipur, for his invaluable guidance, constant encouragement, and unwavering support. I also sincerely thank our respected Principal Shri Ajay Kumar Chandralar Sir, PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1 Raipur for his motivation and trust throughout this journey.

I consider this achievement not merely a personal milestone but a commitment to serving the nation by shaping the character and leadership qualities of the youth through NCC.

Rajesh Kumar Chouhan
Associate NCC Officer (ANO)
PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1 Raipur
(Shift 1)

केंद्रीय विद्यालयों समावेशी शिक्षा समावेशी शिक्षा का उद्देश्य



केंद्रीय विद्यालयों में समावेशी शिक्षा का उद्देश्य विशेष जरूरतों वाले बच्चों (CWSN) को समान शैक्षिक अवसर प्रदान करना है, जो बच्चों की शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल करती है। समावेशी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बीच भेदभाव को समाप्त करना, उन्हें समान अवसर प्रदान करना और समाज में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए केंद्रीय विद्यालयों में विशेष शिक्षकों की नियुक्ति, अनुकूलित शिक्षण विधियाँ, सहायक संसाधन और शिक्षक-शिक्षिका, अभिभावक और समुदाय के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है।

विशेष शिक्षकों की आवश्यकता

केंद्रीय विद्यालयों में समावेशी शिक्षा को सफल बनाने के लिए विशेष शिक्षकों की आवश्यकता है, ताकि विशेष जरूरतों वाले बच्चों (CWSN) को उचित शिक्षण और सहायता मिल सके। वे व्यक्तिगत शिक्षण योजनाएँ (IEP) बनाकर, अनुकूलित शिक्षण विधियाँ अपनाकर और आत्मनिर्भरता बढ़ाकर छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने में मदद करते हैं।

विशेष शिक्षकों की भूमिका

विशेष शिक्षक समावेशी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो विशेष जरूरतों वाले बच्चों (CWSN) को शिक्षण, विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे प्रत्येक छात्र की आवश्यकताओं को समझकर व्यक्तिगत शिक्षण योजना (IEP) तैयार करते हैं और अनुकूलित शिक्षण विधियाँ अपनाते हैं, जैसे कि ब्रेल, साइन लैंग्वेज, ऑडियो-विजुअल सामग्री आदि। वे छात्रों को आत्मविश्वास बढ़ाने, सामाजिक समावेश को प्रोत्साहित करने और सीखने की कठिनाइयों को दूर करने में मदद करते हैं। साथ ही, वे सामान्य शिक्षकों और अभिभावकों के साथ समन्वय स्थापित कर एक समावेशी और सहयोगी शिक्षण वातावरण तैयार करते हैं।

विशेष शिक्षकों की चुनौतियाँ

विशेष शिक्षकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें प्रशिक्षण और संसाधनों की कमी प्रमुख है। सहायक तकनीकों और विशेष शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सीमित होती है। शिक्षकों पर अधिक कार्यभार उनकी दक्षता को प्रभावित करता है। साथ ही समाज और अभिभावकों में जागरूकता की कमी के कारण समावेशी शिक्षा को पूरी तरह लागू करना कठिन हो जाता है। विद्यालयों में सामान्य शिक्षकों का सीमित सहयोग भी एक बड़ी चुनौती है।

विद्यालय के अन्य शिक्षकों की भूमिका

समावेशी शिक्षा में अन्य (सामान्य) शिक्षकों की भूमिका विशेष जरूरतों वाले बच्चों (CWSN) को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे कक्षा में समावेशी और सहयोगी माहौल बनाकर यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी छात्र समान अवसर प्राप्त करें।

सामान्य शिक्षक शिक्षण पद्धतियों को अनुकूलित कर विशेष बच्चों की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम को सरल और रोचक बनाते हैं। वे दृश्य, श्रव्य और व्यावहारिक शिक्षण तकनीकों का उपयोग कर उनकी समझ को बेहतर बनाते हैं। विशेष शिक्षकों से समन्वय स्थापित कर व्यक्तिगत शिक्षण योजना (IEP) को प्रभावी रूप से लागू करना भी उनकी जिम्मेदारी होती है।

इसके अलावा, वे सहपाठियों को संवेदनशील और सहानुभूति पूर्ण व्यवहार सिखाकर समावेशी वातावरण विकसित करते हैं। अभिभावकों से संवाद कर वे बच्चे की प्रगति सुनिश्चित करते हैं। इस प्रकार, अन्य शिक्षक समावेशी शिक्षा के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विशेष जरूरतों वाले बच्चों (CWSN) को समावेशी शिक्षा देने में केवल विशेष शिक्षकों की ही नहीं, बल्कि अन्य शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे इन बच्चों को सामान्य शिक्षण माहौल में आत्मविश्वास और सम्मान के साथ सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। उनकी भूमिका निम्नलिखित बिंदुओं में स्पष्ट की जा सकती है:

अभिभावकों की भूमिका

समावेशी शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे अपने विशेष जरूरतों वाले बच्चों (CWSN) को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा में उनकी सफलता सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं।

अभिभावक बच्चों को सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल प्रदान करते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। वे शिक्षकों और विद्यालय के साथ समन्वय स्थापित कर व्यक्तिगत शिक्षण योजना (IEP) को लागू करने में सहयोग करते हैं। घर पर विशेष शिक्षण विधियों, जैसे ऑडियो-विजुअल सामग्री, ब्रेल, साइन लैंग्वेज आदि का उपयोग कर बच्चे की सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं।

इसके अलावा, वे बच्चों को सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं और सहपाठियों के साथ उनका बेहतर तालमेल सुनिश्चित करते हैं। समाज और अन्य अभिभावकों को समावेशी शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक बनाना भी उनकी जिम्मेदारी होती है। सही मार्गदर्शन और सहयोग से वे अपने बच्चों को एक सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य देने में सहायक बन सकते हैं।

निष्कर्ष

विशेष शिक्षक के साथ अन्य शिक्षकों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे कक्षा में समावेशी शिक्षा को सुनिश्चित करने, विशेष जरूरतों वाले बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और एक सहयोगी वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यदि सामान्य शिक्षक और विशेष शिक्षक मिलकर कार्य करें, तो विशेष जरूरतों वाले बच्चे भी मुख्यधारा की शिक्षा में सफल हो सकते हैं।

अभिभावक, शिक्षक और समाज के सहयोग से विशेष जरूरतों वाले बच्चे भी अपनी क्षमताओं को विकसित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं। सही मार्गदर्शन और सहयोग से उनकी शिक्षा और विकास को बेहतर बनाया जा सकता है।

अजय कुमार यादव
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(हिन्दी)



Title: Stress Management for Students During Exams.

Exams are an important part of every student's life, but they often bring stress and anxiety. To perform well, it is very important to stay calm and confident. Stress during exams is natural, but managing it wisely helps in better performance and mental health.

First, students should plan their study schedule properly. Making a timetable and studying a little every day avoids last-minute tension. Taking short breaks while studying refreshes the mind and helps in remembering things better.

Healthy food and proper sleep are equally important. Avoid junk food and late-night study; a fresh mind works faster than a tired one. Students should also practice deep breathing or meditation for a few minutes daily to relax their mind.

Instead of comparing with others, students should focus on their own preparation. Talking to parents or teachers about their worries can also reduce stress. Listening to light music, going for a walk, or spending time with family can make them feel positive.

In short, exams are not the end of life. A calm mind and regular effort always lead to success. Believe in yourself and give your best – that's the real key to managing stress during exams.

Rajesh Kumar Chouhan
(TGT-Eng)



Artificial Intelligence: Shaping the Future

Artificial Intelligence (AI) is one of the most exciting and rapidly developing technologies of the modern world. It refers to the ability of machines and computers to perform tasks that normally require human intelligence, such as learning, problem-solving, understanding language, recognizing images, and making decisions.

Today, AI has become a part of our everyday lives. When we use voice assistants, watch recommended videos, unlock our phones using facial recognition, or use navigation apps to find the best route, we are often using AI. In schools, AI can help students learn through personalized educational applications, interactive tools, and digital learning resources.

AI is also transforming many important fields. In healthcare, it can assist doctors in detecting diseases and analyzing medical reports. In agriculture, AI can help farmers monitor crops, predict weather conditions, and identify plant diseases. In transportation, AI is being used in smart traffic systems and advanced driver-assistance technologies.

However, AI is not only about technology and convenience. It also brings important responsibilities. Issues such as data privacy, misinformation, bias, and responsible use of technology need careful attention. AI should be developed and used in a way that respects human values, fairness, safety, and privacy.

For students, learning about AI is an opportunity to develop creativity, logical thinking, problem-solving skills, and digital awareness. AI will not simply be a technology of the future—it is already influencing the world around us.

Swati Sahu
Computer Instructor



Mental Well-being Matters

In today's fast-moving world, we often focus on academic success, achievements, and physical fitness. However, mental well-being is equally important because it influences the way we think, feel, and respond to everyday situations. A healthy mind helps us stay confident, make better decisions, build meaningful relationships, and overcome challenges with resilience.

Every student experiences moments of stress, self-doubt, or pressure. These feelings are a normal part of life. What truly matters is how we understand and manage our emotions. Speaking to a trusted person, taking short breaks, maintaining a balanced routine, and practicing self-care can make a significant difference in our overall well-being.

Remember:

- Talk about your feelings instead of keeping them inside.*
- Believe in your abilities and celebrate small achievements.*
- Take breaks, relax, and manage stress in healthy ways.*
- Be kind to yourself and treat others with empathy and respect.*
- Don't hesitate to ask for help whenever you need it.*



A positive and supportive school environment begins with each one of us. By caring for our mental health and encouraging others to do the same, we create a community where everyone feels valued, safe, and motivated to grow.

"A strong mind builds a bright future. Taking care of your mental well-being today is an investment in a happier and more successful tomorrow."



**— School Counsellor
ANKITA GUPTA**



HEALTH

The Foundation of Every Dream



"A healthy child is the greatest strength of a nation."

Education enlightens the mind, but good health empowers every dream. A classroom flourishes when students are healthy, confident, and emotionally strong. True success begins with simple habits—clean hands, nutritious food, regular exercise, adequate sleep, a positive attitude, and compassion for others.

As a school nurse, I believe that every smile restored, every illness prevented, and every healthy habit encouraged is a step towards building a brighter future. Health is not merely the absence of disease; it is the harmony of body, mind, and spirit.

Let us choose wellness every day, inspire one another, and create a school where every child grows with knowledge, kindness, and resilience.

"Healthy Students • Happy Schools • Strong India"



Nurse - Hema

NURSE







SPECIAL EDUCATION

At PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1 Raipur, we believe that every child is unique and has the potential to learn, grow, and succeed. Through Special Education, we provide individualized support to children with diverse learning needs in a safe, supportive, and inclusive environment.

Our teaching focuses on developing academic, communication, social, behavioural, self-help, and daily living skills according to each child's individual abilities and learning pace. Using personalized teaching methods, structured activities, and positive reinforcement, we help students build confidence, independence, and self-esteem.

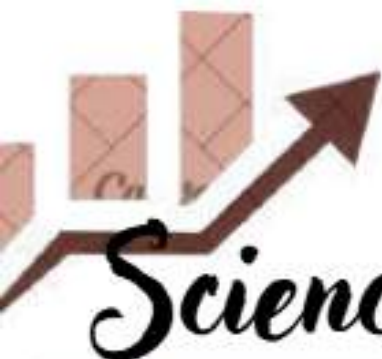
Special Education empowers children to participate actively in school, family, and community life. It nurtures their strengths, respects their individual differences, and provides equal opportunities for meaningful learning and personal growth.

Together with parents, teachers, and therapists, we strive to create an environment where every child feels valued, supported, and inspired to achieve their full potential.

"Every Child Can Learn, Just Not on the Same Day or in the Same Way."







CBSE Result class 12th

Achievement

Science



KRITIKA PATEL
08-08-2024

86.2 %



SOHAM MEHAR
20/08-2024

86.2%



AYUSH DASH
04-08-2024

81.8%



OM DEWANGAN
23/08-2024

79.2%



ADITI PANDEY
16-08-2024

83.4%



YAMINI SAHU
22-08-2024

83.4%



CUMARI MUSKA
17/08/2024

82.8%



B. VEDIKA
16/08/24

82.6%

Commerce



MUKUL KUMAR NIRMALKAR
04/08-2024

89.4%



JEANY SHAW
26.08.2024

89.0%



ARNAV CHAKRABORTY
06/08/2024

88.6%

CBSE RESULT 2026

CLASS	APPEARED	PASSED	PASS %
X	151	151	100
XII SCIENCE	68	68	100
XII COMMERCE	34	34	100



Achievement

class 10th



97%



95.8%



95.4%



95.4%







पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 रायपुर

डब्ल्यू आर एस कॉलोनी

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.1 RAIPUR W R S COLONY

SPORTS ACHIEVEMENTS 2026-2027



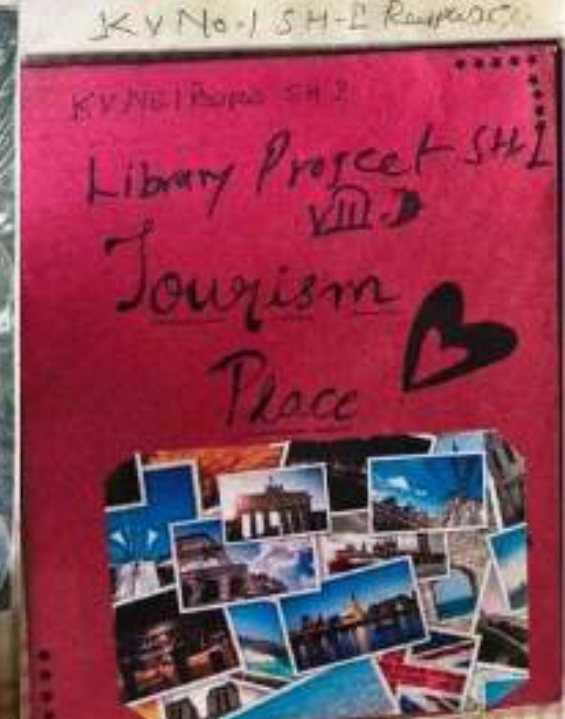
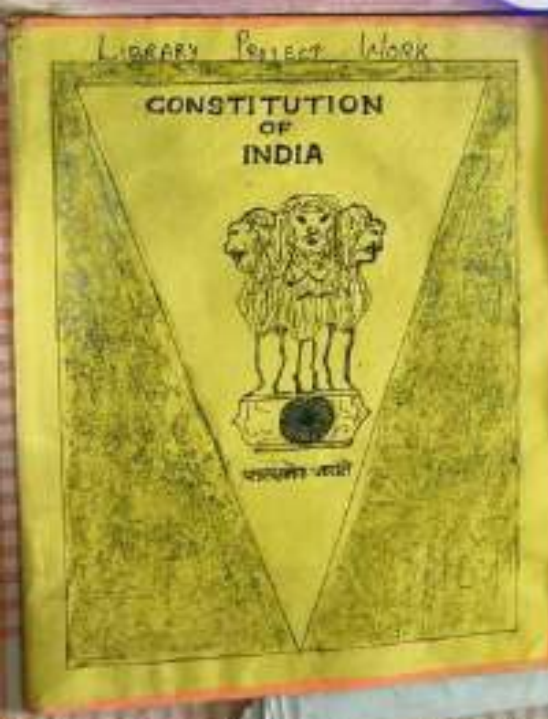
 SHWAMY MISHRA 10th Achievements: 1000, 2000 3 GOLD	 JYOTSNA SINGH 10th Achievements: 100, 200, 400 3 GOLD	 NISHAN KUMAR SAHU 11th Achievements: NATIONAL	 VISHU VERMA 12th Achievements: 100 in Hockey 1 GOLD	 GARIMA MISHRA 9th Achievements: 2000, 4000 1 GOLD	 KARAN KUMAR 10th Achievements: 100, 200, 400 m 3 GOLD	 AYUSH SAHU Class : 11 A Game: Hockey
--	--	--	--	---	--	---

National Selected Students





सुर्खियों में



सुर्खियों में



A stylized illustration of a young male soccer player in a dynamic pose, as if he has just kicked a ball. He is wearing a red long-sleeved jersey with yellow trim on the sleeves, yellow shorts with red trim, red socks, and black cleats. A soccer ball is visible in the bottom left corner. The background is plain white.

REGIONAL SPORTS MEET





Yoga Day Celebration





NCC Activities -2026

3 CG Air Sqn NCC 8	CG Girls Bn. NCC 27	CG Bn. NCC
I/C	I/C	I/C
(Ms.Pankhuri Arora)	(Ms. Shalini)	(Mr.R.K.Chouhan)
ANO	CTO	ANO

Combined Report of three Wings
27 CG Bn. NCC 8 CG Girls Bn. NCC 3CG Air Sqn.

Attendance at the prestigious Pre- Republic Day camp.

Every year, KV students leave their print during the competitive selection camps.

This year, 3 of our cadets, namely, Cdt. Mayank Kumar Patel, and Cdt. Akash Yadav, Cdt. Anushree Mishra got selected for the rigorous RDC selection camp held at Raigarh from 16/8/2025 to 25/08/2025. Mayank Patel and Anushree Mishra brought laurels to the school as they were awarded cash prize of Rs. 1000 each for being the Best Cadet throughout the session in their respective units.



Another milestone in the journey.

This year the decision was taken to open enrolment for girls also, along with the boys. This will increase spirit of competition with cooperation. Girls showed immense enthusiasm to get enrolled for the grueling 2 years journey, proving popularity and positive influence of NCC activities on young students.



Community activities during the year.
Cyclothon was organized by the troupe cadets to raise awareness about traffic rules. The event was organized by the cadets themselves, in which all three wings participated, under the able guidance of S/o Rajesh Chauhan, thereby learning organizing skills too



Trekking Camp .

MP - CG Trekking Camp VII was organized in Amarkantak from 17th to 24th June. From our school – Mohak Sahu (shift I) and G. Tanishka (shift II) participated in the camp.



Volunteering at school programmes.

Cadets help in organizing the school programmes learning skills like managing crowds, interacting with people, ensuring cleanliness and order, safety and security of younger children, coordinating among the three wings etc, in the process.



Firing / shooting camps.

Musketeering and firing are crucial parts of training of a cadet.



They learn about different firing positions, range safety and training protocol, steps of aiming and firing, characteristics of a good firer, etc.



They also learn about different parts and types of weapons and ammunition, tech - advancement etc



10 days Annual Training camp.



Apart from the critical institutional training, which the cadets have to undergo for two years, in the familiar school setting, a compulsory part of NCC A certificate course is attending an ATC.

It is designed to give an immersive experience of routine discipline of being in a armed force. They learn survival skills like tent pitching, disaster management, first aid, CPR etc



This camp truly makes cadets out of young boys and girls. It teaches them responsibility and mental toughness.

Cadets of 8CG Girls bn. NCC receiving their well deserved certificates from H'ble Principal Sir, after successfully completing their ATC



BHARAT SCOUT & GUIDE ACTIVITIES

THINKING DAY CELEBRATION
22nd February ,2026



CANCER AWARENESS RALLY
4th February , 2026



Cleanliness Day (National
Cleanliness Day)
30th January .2026



TRAINING SESSION OF SCOUTS

BULBULS ACTIVITIES (04/07/2026)



BULBUL SALUTE & HANDSHAKE(27/06/2026)





शिक्षक अभिभावक बैठक

PARENT-TEACHER MEETING



VMC MEETING





**Investiture
ceremony**





Sports Activity Report (Session 2026-27)



During the academic session 2026-27, various sports and physical education activities were conducted to promote fitness, discipline, teamwork, and sportsmanship among students.

Regular physical fitness sessions included warm-up exercises, stretching, running, agility drills, coordination activities, and recreational games. Students actively participated in daily physical activities to improve their fitness, endurance, and overall well-being.

Training sessions were conducted in Athletics, Football, Volleyball, Kho-Kho, Kabaddi, Badminton, and other indoor and outdoor games as per the school schedule and available facilities. Students were guided in the basic techniques, rules, and skills of different sports while emphasizing discipline, teamwork, and fair play.

Special coaching was also provided in Boxing to interested and talented students. As a result of regular training and dedicated practice, one student of Kendriya Vidyalaya No. 1, Shift-I, Raipur qualified to represent the Kendriya Vidyalaya Sangathan at the National Level Boxing Championship and successfully participated in the national event. This achievement brought pride to the school and encouraged other students to take an active interest in sports.

Throughout the session, continuous efforts were made to identify and nurture sporting talent, motivate students to participate in various sports activities, and develop qualities such as leadership, confidence, discipline, and a healthy competitive spirit. The overall objective was to create a positive sporting environment and inspire students to adopt an active and healthy lifestyle through regular participation in games and physical education.



Sports Coach: Vishal Hiyal





Self defence



Yoga: The Art of Living a Healthy and Balanced Life

"Yoga is not just about touching your toes; it is about what you learn on the way down."

In today's fast-paced world, where stress, anxiety, and unhealthy lifestyles have become common, yoga offers a simple yet powerful solution. Originating in India thousands of years ago, yoga is a priceless gift to humanity that promotes harmony between the body, mind, and soul. It is much more than physical exercise—it is a way of life that teaches discipline, self-awareness, inner peace, and holistic well-being. For students, yoga is especially valuable. Regular practice improves concentration, memory, flexibility, confidence, and emotional balance. It helps reduce examination stress, enhances focus, and encourages a positive attitude toward learning. Just 20–30 minutes of daily yoga can make a significant difference in both academic performance and overall health.

yoga





हिन्दी



तीन गुरुओं की सीख

बारहवीं कक्षा का छात्र आरव पढ़ाई में कभी कमजोर नहीं था। उसे विज्ञान के सिद्धांत समझ आते थे, गणित के कठिन प्रश्न हल हो जाते थे और कक्षा में शिक्षक जब भी कोई सवाल पूछते, वह अक्सर सही उत्तर देता। लेकिन एक समस्या थी। उसे ज्ञान तो था, पर अंक नहीं मिलते थे। हर परीक्षा के बाद उसे लगता कि इस बार उसने अच्छा लिखा है, लेकिन परिणाम आते ही उसकी उम्मीदें टूट जातीं। 75%, 80%, कभी 82%...

जबकि उसे विश्वास था कि वह इससे कहीं बेहतर कर सकता है। उसके पिता अनुशासनप्रिय और कठोर स्वभाव के थे। उनके लिए सफलता का सबसे बड़ा पैमाना परीक्षा के अंक थे। मेहनत दिखाई नहीं देती, रिज़ल्ट दिखाई देता है। अगर सब आता है, तो नंबर कम क्यों आते हैं? बोर्ड में बहाने नहीं चलते। उनकी बातें गलत नहीं थीं, लेकिन उनका तरीका इतना सख्त था कि आरव पर हर दिन दबाव बढ़ता जाता। माँ उससे बहुत प्यार करती थीं, पर हमेशा पिता का साथ देती थीं। तुम्हारे पापा तुम्हारे भविष्य के लिए ही इतना सख्त रहते हैं। धीरे-धीरे आरव ने महसूस किया कि समस्या उसकी मेहनत में नहीं, बल्कि उस मेहनत के तरीके में कहीं छिपी है। वह घंटों किताबें पढ़ता, पूरे अध्याय दोबारा-तीन बार दोहराता, हर नोट्स साफ़-सुथरे बनाता और देर रात तक पढ़ता रहता। फिर भी परीक्षा में वही अंक आते जिनसे वह संतुष्ट नहीं था। एक दिन उसने अपनी पुरानी उत्तर पुस्तिकाएँ और रिपोर्ट कार्ड निकाले। उसने पहली बार केवल अंक नहीं देखे, बल्कि अपनी गलतियाँ भी देखीं। उसे समझ आया कि अधिकांश गलतियाँ ज्ञान की कमी से नहीं, बल्कि गलत प्रस्तुति, समय प्रबंधन, उत्तर लिखने की तकनीक और प्रभावी पुनरावृत्ति की कमी के कारण थीं। उसी रात उसने खुद से कहा— मुझे और ज़्यादा पढ़ने की नहीं... सही तरीके से पढ़ने की ज़रूरत है। बोर्ड परीक्षा में केवल तीन महीने बचे थे। एक शाम इंटरनेट पर पढ़ाई से जुड़े वीडियो देखते-देखते उसे तीन अलग-अलग ऑनलाइन मेंटर्स मिले।



पहले थे विवेक सर। उन्होंने कहा—‘जो पढ़ लिया, उसे बार-बार पढ़ना सबसे बड़ी गलती है। असली पढ़ाई तब होती है जब बिना किताब देखे खुद को याद करने की कोशिश करते हो।’ उन्होंने आरव को *Active Recall, Spaced Repetition*, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण और एग्जाम-ओरिएंटेड रिविज़न सिखाया। दूसरे थे अर्जुन वे पढ़ाई से पहले जीवन को व्यवस्थित करने की बात करते थे। थका हुआ दिमाग कभी अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं करता। उन्होंने सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, छोटे-छोटे लक्ष्य बनाना और समय का सही उपयोग करना सिखाया। तीसरी थीं मीरा मैम। उन्होंने आरव को एक बात सिखाई जिसने उसकी सोच बदल दी। ‘परीक्षा सिर्फ यह नहीं देखती कि तुम्हें कितना आता है, बल्कि यह भी देखती है कि तुम उसे कितनी स्पष्टता और रणनीति के साथ लिखते हो।’ उन्होंने उत्तर लिखने की शैली, की-वर्ड्स का प्रयोग, डायग्राम, समय बाँटना और परीक्षा के दौरान शांत रहने की कला सिखाई। अगले तीन महीनों में आरव ने पढ़ाई के घंटे नहीं बढ़ाए। उसने पढ़ने का तरीका बदल दिया। अब वह कम समय में ज़्यादा प्रभावी ढंग से पढ़ता था। हर सप्ताह अपनी परीक्षा लेता। गलतियों की अलग कॉपी बनाता। हर उत्तर समय सीमा के भीतर लिखने का अभ्यास करता। अब उसका लक्ष्य केवल अध्याय पूरा करना नहीं, बल्कि परीक्षा में पूरे अंक लाने लायक उत्तर लिखना था। बोर्ड परीक्षा का दिन आ गया। इस बार उसके भीतर घबराहट नहीं थी। उसे विषय भी आता था और उसे यह भी पता था कि उत्तर कैसे प्रस्तुत करना है। हर प्रश्न सोच-समझकर लिखा, समय का सही उपयोग किया और अंत में पूरे पेपर की जाँच भी की। परिणाम वाले दिन पूरा परिवार कंप्यूटर के सामने बैठा था। स्क्रीन पर अंक आए— 78% कुछ क्षण तक कोई कुछ नहीं बोला। फिर उसके पिता ने पहली बार मुस्कुराकर कहा—‘आज तुम्हारे नंबर बता रहे हैं कि तुम्हारी मेहनत सही दिशा में थी।’ उन्होंने आरव के कंधे पर हाथ रखा।

माँ की आँखों में खुशी के आँसू थे। उस दिन आरव को समझ आया कि सफलता केवल मेहनत करने से नहीं मिलती। सही मेहनत, सही रणनीति और सही मार्गदर्शन ही मेहनत को अंकों में बदलता है। कुछ दिनों बाद किसी ने उससे पूछा—‘इतना बड़ा बदलाव कैसे आया?’ आरव मुस्कुराया। ‘मुझे तीन गुरु मिले।’ पहले ने सिखाया कैसे पढ़ना है। दूसरे ने सिखाया कैसे जीना है। तीसरे ने सिखाया कैसे अपनी मेहनत को

परिणाम में बदलना ।

शिवंश उपाध्याय

कक्षा ग्यारहवीं ब

अनुशासन का महत्त्व

अनुशासन जीवन को सही दिशा देने वाला एक अमूल्य गुण है। यह मनुष्य एक नियमों का पालन करना समय का महत्त्व समझना तथा अपने कार्यों को जिम्मेदारी से पूरा करना सिखाता है। अनुशासन के बिना जीवन अधूरा और अव्यवस्थित हो जाता है। जिस व्यक्ति के जीवन में अनुशासन होता है, वह हर कार्य को समय पर और सही ढंग से पूरा करता है इसलिए कहा जाता, है कि अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का सबसे अधिक महत्त्व होता है। विद्यार्थी यदि नियमित रूप से पढ़ाई करे, समय पर विद्यालय जाएँ गृहकार्य पूरा करें और अपने शिक्षकों और माता पिता का सम्मान करे तो हमेशा उसे सफलता मिलेगी । अनुशासन हमें आलस्य और बुरी आदतों से दूर रखता है। यह हमारे अंदर आत्मविश्वास, धैर्य और मेहनत करने की भावना उत्पन्न करता है।

हिमांशी देवांगन

आठवीं स



कदम बढ़ाते जाना है

सपनों के सुंदर पंख लगा,
अंबर को छूने जाना है।
मुश्किल राहें हों चाहे जितनी,
हमको कदम बढ़ाते जाना है।

किताबों के इन पन्नों में,
ज्ञान का बहता सागर है।
मेहनत की चाबी से खुलता,
सफलता का ये गागर है।

हार मिले तो रुकना क्यों?
वह तो एक नया सवेरा है।
जीतेंगे हम एक दिन निश्चित,
मन में यह विश्वास गहरा है।

आलस को पीछे छोड़ चले,
नित नई ऊँचाई पाना है।
देश का गौरव बनकर हमको,
जग में नाम कमाना है।

सपनों के सुंदर पंख लगा,
अंबर को छूने जाना है...

गिरकर उठना

हर दिन एक जैसा हो, यह तो ज़रूरी नहीं; पर इसका मतलब यह भी नहीं कि ज़िंदगी खाली है। आज का अंधेरा कल एक नई सुबह लाएगा, जो बीते कल से भी खूबसूरत कहलाएगा।

उदासी के दिन कभी-कभी आ ही जाते हैं, पर वे हमें आगे बढ़ने का रास्ता दिखा जाते हैं। याद रखो, तुम यहाँ हारने नहीं आए हो।

उस बीज की तरह बनो जो मिट्टी में दबकर भी उगता है; भीड़ का हिस्सा बनना तो हर किसी को सजता है। लोग तो कहेंगे, उनका काम है कहना, तुम्हें तो बस अपनी धुन में बहते जाना।



सपनों की उड़ान



सपनों को पाने की खातिर, अब हर हृद से गुजर जाना है। हौसलों के पंख फैलाकर, आसमान में घर बनाना है।

मंज़िलें उन्हीं को मिलती हैं, जिनके सपनों में जान होती है; सिर्फ पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। मेहनत का पसीना जब इरादों से मिलता है, तब जाकर कामयाबी का वो खूबसूरत फूल खिलता है।

‘सपनों की ऊँची उड़ान भरे, शिक्षा - स्वास्थ्य से जीवन संवरे।’

शाईस्ता बानो (X 'D')

पहचान की खोज और जीवन का सच

हा - हा - हा- हा गूंजती है एक हँसी इस दुनिया की, पर क्या सच में अकेले रहने से डर लगता है ? लोग आते रहेंगे, लोग जाते रहेंगे, ताउम्र, पर हम तो हमेशा खुद के ही साथ खड़े है ना !

जब लगे कि राह में कोई नहीं है तुम्हारे पास, तो मुस्कुराकर कहना * * मैं खुद खुद के साथ हूँ, मैं उदास नहीं ।

एक मासूम सपना था दिल में कुछ बन जाने का, पर बीच राह में आकर खड़े हो गए वो 'चार लोग' मुसीबत में कभी हाथ नहीं बढ़ाते ये चार लोग। फिर कड़वी इनकी बातें बस नाली में फेकने जैसी है।

* * * फिर इनकी बातों को दिल पर लगाने की क्या जरूरत है? इनका कहना इनका काम है, पर यह जीवन सिर्फ तुम्हारा है। क्यों सोचे हम उनके बारे में जो कभी हमारे थे ही नहीं , बस खुद से बेइंतहा प्यार करो और आगे बढ़ते चलो । जाने हम अभी जीवन के किस मोड़ पर आकर रुके है ना पूरी तरह बच्चे रहे, ना अभी बड़े हो सके हैं। कभी बच्चे जैसी नासमझी, कभी बड़ों जैसा काम । * पहले सपना था बड़े होने का, अब लगता है बचपन ही सही था -आराम * ना अभी पैसा है पास, ना सही समय का पता है,* अभी में ही तो जिंदगी का सबसे हसी * * * पर इसी कशमकश में सच छिपा है। मानो या ना मानो, यही पल सबसे कीमती है राह में हार भी मिलेगी, पर हौसला बदलना अभी बाकी है * यही तो वक्त है खुद को धीरे-धीरे तराशने का, एक मामूली पत्थर से नायाब हीरा बन जानेका । दुनिया दुनिया की बातों को हवा' मे उड़ाओ और मुस्कुराओ, यह जिंदगी तुम्हारी है, इसे अपने ही दम पर सजाओ। *

प्रज्ञा देव
आठवीं स

पर्यावरण संरक्षण - हम सबकी जिम्मेदारी



पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमें शुद्ध वायु, जल, भोजन, प्रकाश और ऊर्जा पर्यावरण से ही प्राप्त होते हैं। लेकिन आज बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग ने हमारे पर्यावरण को गंभीर संकट में डाल दिया है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।



पर्यावरण का महत्त्व -

- यह जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान करता है।
- यह प्राकृतिक संतुलन बनाए रखता है।
- यह हमारी स्वास्थ्य और खुशहाली का आधार है।
- यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाता है।



पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारण -

- वनों की कटाई
- वाहनों और उद्योगों से निकलने वाला धुआँ
- प्लास्टिक और रासायनिक पदार्थों का अधिक प्रयोग
- जल, वायु और मृदा का प्रदूषण

हम क्या कर सकते हैं ?

- ✓ अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ और उनकी देखभाल करें।
- ✓ जल, बिजली और अन्य संसाधनों का बचतपूर्वक उपयोग करें।
- ✓ प्लास्टिक का उपयोग कम करें और पुनः उपयोग में लाएँ।
- ✓ स्वच्छता बनाए रखें और कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालें।
- ✓ पर्यावरण के प्रति जागरूक रहें और दूसरों को भी प्रेरित करें।



निष्कर्ष -

पर्यावरण की रक्षा करना केवल सरकार या किसी एक संस्था का काम नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम आज से ही छोटे-छोटे कदम उठाएँ, तो एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। आइए, हम सब मिलकर अपना पर्यावरण बचाएँ और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए और बेहतर बनाएँ।



“ स्वस्थ पर्यावरण, सुरक्षित भविष्य ! ”

मैं हूँ मैं

मैं हूँ हूँ एक छोटी-सी किरण,
सपनों से भरा मेरा जीवन ।

हर मुश्किल से लड़ना सीखा,
मेहनत को ही अपना लिखा ।

निरखर फिर से उठ जाती हूँ,
हर दिन कुछ नया सीख जाती हूँ ।

सच्चाई मेरी सबसे बड़ी पहचान,
सम्मान करना मेरा अभिमान ।

मंज़िल चाहे दूर सही,
हौसले मेरे कभी न हों कम ।

अपने कर्मों से आगे बढ़ूँ,
रोशन कर दूँ अपना हर दम ।

मैं हूँ अपने सपनों की उड़ान,
विश्वास ही मेरी सच्ची शान ।

यही है मेरी पहचान नई -
मैं हूँ मैं, सबसे अलग ही सही ।





हेयरस्टाइल और समाज

आज के समय में हेयरस्टाइल पूरी तरह से व्यक्तिगत पसंद का मामला है। जहाँ एक तरफ लंबे बालों को 'सुंदरता' का प्रतीक माना जाता है, वहीं दूसरी तरफ छोटे बाल वाली लड़कियों को 'टॉमब्वॉय' या 'लड़कों जैसी' कह दिया जाता है। और अगर आप भारत जैसे देश में हैं, तो मुबारक हो/ आपसे ज़्यादा आपकी शादी के लिए आपके रिश्तेदार और पड़ोसी परेशान होंगे। जैसे ही आप बाल कटवाकर उनसे मिलें, तो पहला सवाल यही होता है— 'अरे/ बाल क्यों कटवाए/ अब शादी कैसे होगी तुम्हारी/ मेरी मम्मी को लोग अक्सर कहते थे, 'अरे वाह भाभी जी/ आपके तो दो बेटे हैं।' तब मम्मी को सफाई देनी पड़ती थी, 'अरे नहीं, यह हमारी बेटी है।' इतना ही नहीं, लोग हमें पीछे से देखने पर लड़का समझ लेते हैं और 'बेटा' या 'भैया' कहकर संबोधित करते हैं। मेरे साथ तो एक बार ऐसा हुआ कि कुछ लड़के मुझे घेरकर खड़े हो गए। उनमें से एक ने मेरे कंधे पर हाथ रखकर पूछा, 'और छोटे/ कौन-सी क्लास में है/ लड़कियां भी कुछ कम नहीं हैं—वह कहते हैं न कि 'हमारी छोरियां छोरों से कम हैं के।' एक बार एक छोटी बच्ची मेरे पास आई और बोली, 'भैया, आप बहुत हैंडसम लग रहे हो।' मुझे उसे बताना पड़ा, 'अरे नहीं बहन, मैं भैया नहीं, दीदी हूँ।' एक और किस्सा बाज़ार का है। मैं बाज़ार गई थी, तो वहाँ एक अंकल पीछे से चिल्लाए, 'अबे, साइड हट/ वहीं मेरे आगे एक लंबे बालों वाली लड़की चल रही थी, तो उसे बड़े प्यार से बोले, 'अरे बेटा, थोड़ा साइड हटना।' मतलब हर जगह अपने लुक्स को लेकर सफाई देनी पड़ती है। यहाँ तक कि क्लास में भी सहेलियों को मेरे बालों से दिक्कत होती थी। वह कहती थीं, 'बहन, तू अपने बाल बढ़ा ले।' 'तू बाल कब बढ़ाएगी/ मुझे सबको समझाना पड़ता था कि मैंने अपने बाल छोटे इसलिए रखे हैं क्योंकि मुझसे लंबे बाल संभलते नहीं हैं और उन्हें सँभालने में परेशानी होती है। सच तो यह है कि बालों की लंबाई किसी लड़की के 'लड़की होने' या उसके चरित्र को तय नहीं करती। समाज को अपनी इस रूढ़िवादी सोच को बदलने की सख्त ज़रूरत है।



मेहनत आज की,
सफलता कल की।

10वीं का सफर; संघर्ष बहुत, मंज़िल दूर नहीं!



मेरा रोज़ का कार्यक्रम

- 5:00 - उठना
- 6:00 - पढ़ाई
- 8:00 - स्कूल
- 4:00 - ट्यूशन
- 6:30 - होमवर्क
- 8:30 - पुनरावृत्ति
- 10:00 - सोना

कक्षा 10वीं हर विद्यार्थी के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह वह समय है जब सपने बड़े होते हैं, लेकिन ज़िम्मेदारियों भी बहुत बढ़ जाती हैं। हर किसी को टॉपर बनने की होड़ होती है, लेकिन एक औसत विद्यार्थी के लिए यह सफर आसान नहीं होता।



1. सबसे बड़ी चुनौती - पढ़ाई और सिलेबस

गणित और विज्ञान जैसे विषयों में लगातार अभ्यास चाहिए होता है, जबकि सामाजिक विज्ञान, हिंदी और अंग्रेज़ी में लंबा लेखन और याद करना पड़ता है। इतना बड़ा सिलेबस समय पर पूरा करना बहुत मुश्किल हो जाता है।



2. दबाव जो हर दिन साथ निभाता है

माता-पिता, शिक्षक और समाज की अपेक्षाएँ एक औसत विद्यार्थी पर हमेशा बनी रहती हैं। जब किसी की तुलना टॉपर या दूसरों छात्रों से की जाती है, तो आत्मविश्वास कम हो जाता है। मेहनत करने के बाद भी ऐसा लगता है कि शायद मैं काफी नहीं हूँ।



3. समय प्रबंधन - हर दिन की जंग

स्कूल, होमवर्क, ट्यूशन, प्रोजेक्ट, टेस्ट और रिवीजन - इन सबके बीच समय निकालना बहुत कठिन हो जाता है। आराम, खेल, शौक या परिवार के साथ समय बिताने का मौका बहुत कम मिलता है। धमकान और तनाव हमेशा साथ रहते हैं।

कामों की लिस्ट

- ☐ होमवर्क
- ☐ ट्यूशन
- ☐ प्रोजेक्ट
- ☐ टेस्ट
- ☐ रिवीजन
- ☐ मोटिवेशन बनाना
- ☐ मॉडल टेस्ट



4. बोर्ड परीक्षा का डर

बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही मन में डर बैठ जाता है। भविष्य कैसा होगा? अच्छा अंक ला पाऊँगा या नहीं? करियर कैसा बनेगा? ये सवाल मन में बार-बार आते हैं और चिंता बढ़ाते हैं।



सपना है कुछ बनना,
लेकिन राह में है
बहुत मुश्किलें।

5. फिर भी उम्मीद ज़िंदा है

हर औसत विद्यार्थी के अंदर कुछ खास होता है। अगर उसे सही मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और समय मिले, तो वह भी अपनी मंज़िल या सकता है। सफलता सिर्फ अंकों से नहीं, बल्कि मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और सही सोच से मिलती है।

अंत में...

एक औसत विद्यार्थी की राह कठिन जरूर होती है, लेकिन असंभव नहीं। विश्वास, अनुशासन और परिवार-शिक्षकों के सहयोग से हम हर कठिनाई को पार कर सकते हैं और अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।



नाम : प्रिया कुमारी
कक्षा : 10वीं C

सोशल मीडिया: वरदान या अभिशाप

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे माध्यमों से दुनिया को एक 'ग्लोबल विलेज' बना दिया है।

इसके माध्यम से हम घर बैठे दुनिया के किसी भी कोने में मौजूद व्यक्ति से जुड़ सकते हैं। सूचनाओं का आदान-प्रदान पलक झपकते ही कर सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका सराहनीय है, छात्र घर बैठे ही जटिल विषयों को विशेषज्ञों से समझ सकते हैं।

परंतु सिक्के का दूसरा पहलू अत्यंत चिंताजनक है। सोशल मिडिया का अत्यधिक प्रयोग युवाओं को वास्तविक दुनिया में कैद कर रहा है। बालक मानसिक तनाव, साइबर बुलिंग और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी बढ़ रही हैं। लोग अपनी निजात (Privacy) खो रहे हैं और भ्रामक खबरों (fake news) के कारण समाज में अशांति फैलती है।

अतः यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग, ज्ञानवर्धन के लिए एक उपकरण के रूप में करते हैं। या इसके गुलाम बनकर अपना भविष्य अंधकारमय करते हैं। उचित समय प्रबंधन और जागरुकता ही इसे 'वरदान' बनाए रख सकती है।

नव्या रनगीरे

कक्षा- 8 'स'

प्रकृति की पुकार

प्रकृति कोई विरासत नहीं,
जो पूर्वज देकर चले गए,
यह तो आने वाले कल की धरोहर है,
जिसे हम उधार में ले गए।

नीला अम्बर, ऊँचे पर्वत,
झरनों का मधुर संगीत,
रंग-बिरंगे फूलों की खुशबू,
पक्षियों का मनमोहक गीत।

एक बार उसकी गोद में बैठो,
मन को शांत होने दो।
झरनों की बातें सुन लेना,
पवनें को कुछ कहने दो।

यदि प्रकृति ही रूठ गई,
तो कैसे यह जहान होगा?
न गीत रहेंगे यहां ना हरियाली,
सूना होगा हर इंसान।

नाम - शुभी नायक
कक्षा - 10 D

कविता - मेहनत का फल

मेहनत करने वाला इंसान,
पाता है हर मुश्किल का समाधान।
जो कभी ना हिम्मत हारता,
वही जीवन में आगे बढ़ता।

सपनों को सच वही बनाता,
जो हर दिन मेहनत कर जाता।
छोटी-छोटी कोशिश एक दिन,
सफलता का फूल खिलाता।

सूरज रोज सिखाता हमको,
अंधेरों से लड़ना है।
मेहनत और सच्चाई के दम पर,
जीवन में आगे बढ़ना है।

जो अपने लक्ष्य पर टिक जाता,
वही इतिहास बनाता है।
कठिन राहों में चलने वाला,
एक दिन मंजिल पाता है।

ज्ञान"

प्रेरणा जीवन सेमिलती रहे,
हर बच्चा कूल सा खिलता रहे.
आरंभ से लेकर अंत तक.
मां बाप की छाया में पलता रहे

, ज्ञान की बहती धारा से.
जीवन मे ज्ञान लेता रहे,
ज्ञानवान बनाफर जीवन को
सही रास्ता खुद को दिखाता रहे,

सवर जाएगी जिंदगी सब की,
जब ज्ञान रेहियों में आएगा,
जीवन सफल हो जाएगा
जब हर बच्चा पढ़-लिख जाएगा...

Name - Kanishka Pande
Class-VI
Section-'B'

मेरा भारत महान

मेरा भारत देश महान,
इसकी धरती इसकी शान।
नदियाँ बहती कल-कल करती
खेतों में हरियाली भरती।
ऊँचे पर्वत, नीला आसमान,
हर मौसम का यहाँ है मान।
सब धर्मों का संगम यहाँ,
प्यार और भाईचारा जहाँ।
त्योहारों की है बहार,
हर दिल में खुशियों की धार।
मेरा भारत सबसे प्यारा,
दुनिया में सबसे न्यारा।

नाम : मोहित बारस्कर
कक्षा : ११वीं (स)

कविता : मेरा भारत
मेरा भारत सबसे प्यारा
ज्ञान और संस्कृति का उजियार
मेहनत से हम आगे बढ़ते
सपनों को सच करने गढ़ते
एकता हमारी सबसे बड़ी
पहचान
यही है अपने देश की शान
भारत माता को मेरा प्रणाम

मंजिल.....

'निगाहों में मंजिल थी चलते रहे
गिरे और गिरके संभालते रहे
जिन्हें खुद पर भरोसा न था
वे रास्ते पे रास्ते बदलते रहे
हवाओं ने कोशिश बहुत की मगर
चिराग आंधियों में भी जलते रहे
हम अपने उसूलों पे कायम रहे
जिन्हें बदलना था वे बदलते रहे
इरादे जवां थे जो मंजिल मिले
धूप कड़ी थी और रास्ते पथरीले थे
मगर हम चलते रहे
मगर हम चलते रहे.....

नाम - सृष्टि साहू
कक्षा - 11वीं 'स'





पहली बारिश

पहली बारिश आई है,
हरियाली पूरे देश में छायी है,
किसान के लिए उम्मीद लाई है,
बारिश की पहली बूंद आई है।

हम तैयार हैं, बारिश में भीगने को,
हम तैयार हैं, गरमा गरम पकोड़े और चाय के
लिए,
इस पहली बारिश में।

हुआ गर्मी का मौसम खत्म,
अब बरसात का मौसम आया है,
सूरज की तपती गर्मी से राहत लाया है।

पहली बारिश आई है, त्योहार के रंग बिखेरते
आई है,
रथ यात्रा से लेकर गणेश चतुर्थी तक,
रक्षा बंधन से ओनम तक,
हरतालिका तीज से केरल की नौका दौड़ तक
क्या क्या नहीं लाई है,
पहली बारिश आई है।



माँ की अच्छी सीख

एक समय की बात है। रामपुर नामक गाँव में चेतन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत अच्छे घर में अपनी माँ शारदा के साथ रहता था। चेतन की माँ बहुत अच्छे कुकीज़ बनाया करती थी, वहीं चेतन को भी अपनी माँ के हाथों से बनी कुकीज़ बहुत पसंद थीं। एक दिन चेतन की माँ शारदा बाज़ार जा रही थीं। बाज़ार जानें में पहले उसकी माँ ने चेतन से कहा कि बेटा चेतन, मैं अपनी सहेलियों के साथ बाज़ार जा रही हूँ। मैंने ढेर सारे अलग-अलग प्रकार के स्वादिष्ट कुकीज़ बनाए हैं। तुम अपना गृहकार्य समाप्त करके ही कुकीज़ खाना। मैंने कुकीज़ किचन में रखा है। यह कहकर चेतन की माँ अपनी सहेलियों के साथ बाज़ार की ओर चली गई। उसके बाद चेतन ने अपनी गृहकार्य समाप्त करके किचन में जाकर कुकीज़ के जार को निकालकर जार से ढेर सारी कुकीज़ निकालने की कोशिश की और उसका हाथ जार में फंस गया, थोड़ी देर बाद उसकी माँ भी बाज़ार से लौट आई। वे किचन में गई और चेतन को देखकर हँसने लगी। फिर उन्होंने चेतन से कहा कि बेटा अपने हाथ से ढेर सारी कुकीज़ छोड़कर दो-तीन ही कुकीज़ निकालो चेतन ने ऐसा ही किया और उसका हाथ जार से निकल गया।....

शिक्षा: इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी जरूरत से ज्यादा चीज़ें नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि लालच भूरी बला है।

एकता वर्मा
7वीं ब

प्रकृति

पेड़ लगाओ, हरियाली लाओ
धरती माँ को स्वच्छ बनाओ।
नदियाँ हँसे, जंगल लहराए,
नीला आकाश मुस्कुराए।
प्रकृति की प्रसन्नता तो देखो,
जैसे खुदही में डोल रही हो,
वर्षा की बूंदें हर तरह,
सबको मदहोश कर रही हों।

एक पेड़ माँ के नाम





लोकतंत्र का दीपक

मिट्टी का यह छोटा दीया, विश्वास का है प्रतीक,
जन-जन की ताकत से जलता, चुनता है सही सटीक।
नफरत की आंधियों में भी, यह लौ न कभी झुकती है,
लोकतंत्र की शक्ति ही तो, अँधियारों को रोकती है।

वोट की एक स्याही देखो, कितना बड़ा कमाल है,
राजा-रंक को एक सा करती, बदलती हर हाल है।
उंगली पर लगा वो निशान, है गर्व की एक निशानी,
लिखती है खुशहाली की, यह नयी और अनकही कहानी।

वादों के शोर में अक्सर, दीपक थोड़ा डोल जाता है,
पर जागरूक नागरिक का विवेक, सत्य ही बोल जाता है।
मत भूलो अपनी जिम्मेदारी, इसे बुझने मत देना कभी,
यही तो है वो रोशनी, जो मिटाती है पीड़ा सभी।

जब तक जलेगा यह दीपक, आज़ाद ये देश रहेगा,
जनता का शासन ही सदा, यहाँ का संदेश रहेगा।
आओ मिलकर इसे बचाएं, फर्ज अपना निभाएं हम,
लोकतंत्र की इस ज्योति को, और अधिक बढ़ाएं हम

नाम : भास्कर जंघेल





English



A Trip to Bangalore for a Wedding

Last month, I had the wonderful opportunity to visit Bangalore with my family to attend my cousin's wedding. We travelled by train, and the journey was very enjoyable. During the train journey, I spent most of my time with my cousins. We watched movies on our phones, played games, listened to music, and shared snacks. We talked about school, our hobbies, and funny memories. We also looked out of the window and enjoyed the beautiful views of fields, rivers, and small towns. The long journey never felt boring because we were having so much fun together. The time spent with my cousins on the train became one of the most memorable parts of the trip.

After reaching Bangalore, we went directly to our hotel and checked into our room. After freshening up, I met my cousins who had also come for the wedding. Since we had not met for a long time, we were very excited. We spent hours talking, playing games, taking photographs, and sharing stories. The time spent with them was one of the best parts of the trip.

The wedding celebrations lasted for several days. The venue was beautifully decorated with colourful flowers and bright lights. There were different functions, including music and dance performances, which made the atmosphere lively and cheerful. Everyone was dressed in traditional clothes and looked wonderful. We enjoyed delicious food and participated in all the wedding activities.

During our free time, we also explored a few places in Bangalore and enjoyed the pleasant weather. The city was clean, green, and full of life. This trip gave me many happy memories with my family and cousins. It was a joyful and unforgettable experience that I will always remember.

Name: Ananya Dongre
Class: 12 B

The Honest Shopkeeper

A shopkeeper was known for his honesty. One day, a customer bought some groceries and left without taking his change. The shopkeeper noticed it and immediately ran after him to return the money.

The customer was surprised and asked, "Why did you bother to return such a small amount?"

The shopkeeper replied, "The amount may be small, but honesty is priceless. If I keep what does not belong to me, I lose my self-respect."

The customer appreciated his honesty and became a regular customer. Soon, many people started visiting the shop because they trusted the shopkeeper.

Moral: Honesty earns trust and respect.

Name: Ananya Dongre

Class: 12 B

Title: The Echo of Kindness

Deep inside a vibrant valley, there lived a young boy named Rahul. He was a cheerful boy, but he had one big flaw—he lost his temper very quickly.

One sunny afternoon, while playing in the fields, he got angry at his friend and ran away into the nearby mountains. Frustrated and lonely, he screamed into the valley, "I hate you!"

To his surprise, a voice from the mountains immediately shouted back, "I hate you!"

Rahul was shocked and scared. He had never heard of an echo before. He felt challenged, so he yelled again, "You are a coward!" The voice instantly replied, "You are a coward!"

Terrified, Rahul ran straight back home to his mother. Tears streaming down his face, he said, "Mom, there is a mean boy hiding in the mountains. He is shouting bad things at me!"

His mother smiled gently. She understood what had happened. She took Rahul by the hand, walked him back to the mountains, and said, "Now, my son, shout something beautiful to him."

Rahul took a deep breath and yelled, "You are amazing!"
The voice beautifully echoed back, "You are amazing!"

He smiled and tried again, "I love you!"
The voice replied with the same warmth, "I love you!"

Rahul looked at his mother in wonder. She knelt down, hugged him, and said, "This is called an echo, Rahul. But it is also exactly how life works. What you give to others is always what you get back in return."

Moral of the Story:

Life is like an echo. If you want love, kindness, and respect from the world, you must first give it to others.

◆ ACCOUNTANCY - RHYMING RIDDLES ◆

Riddle 1

I keep a

balance day by day,
Debits and credits lead the way.
Where every account is neatly spread,
What am I, by accountants read?

Answer: Ledger

Riddle 2

Every deal begins with me,
Recorded first for all to see.
In order, neat, without a fuss,
Who am I? Come answer us!

Answer: Journal

Riddle 3

Money comes and money goes,
In my pages, everyone knows.
Receipts and payments I proudly book,
What am I? Come take a look!

Answer: Cash Book

Riddle 4

Assets, debts and owner's share,
I show them all with equal care.
Balanced neatly, left and right,
Who am I?

Answer: Balance Sheet

Riddle 5

Income smiles, expenses race,
I decide the business case.
Profit or loss, I always tell,
What am I? Guess me well!

Answer: Profit and Loss Account

Riddle 6

Things we own with future worth,
Helping business prove its worth.
Machines and cash all come my way,

What am I?

Answer: Assets

Riddle 7

Money borrowed, yet to pay,
Business owes it every day.
Not our own, though used with ease,

Who am I?

Answer: Liabilities

Riddle 8

Debit left and credit right,
Together keep the balance bright.
One can't work without the other,
Name this accounting pair!

Answer: Debit and Credit

Riddle 9

I measure value, loss or gain,
In every business I remain.
Numbers help decisions grow,
What subject am I?

Answer: Accountancy

Riddle 10

At the year's end I appear,
Showing records crystal clear.
Prepared with care for all to see,
What are we?

Answer: Final Accounts

P NAVYA
Class: 12th 'C'

SAVE NATURE

Nature is precious ,nature is pure .
Its beauty and blessings will endure
Green trees dancing in the breeze,
Birds singing sweetly among the trees

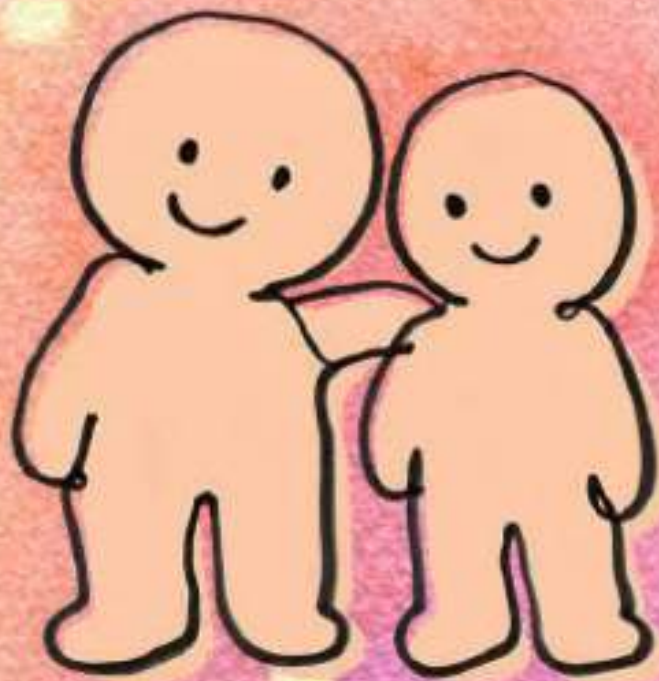
Rivers flow with water clear,
Giving the life to all far and near.
Mountains stand both tall and grand,
Adding beauty to our land.

Flowers bloom in colors bright,
Filling the world with joy and light
The Shining sun the cooling. rain,
Make the earth alive again.

But pollution harms the earth each day,
cutting forests all sway.
smoke and plastic spoil the air,
so we must protect nature with care.

Plant more trees and save each drop,
Keep our surrounding neat nonstop.
If we protect the earth today,
A greener future will come our way.

Mayank Kumar
VIII D



Friendship

Either winter or monsoon
Spring or summer,
This unsinkable ship,
Floats forever.

This is my only life boat,
on which I can survive.

It is warmer than anything else.
And has always helped me to revive.

Name Sejal Sahu,
Class-6B Roll -26

THE SECRET RECIPE FOR A GREENER TOMORROW

"A greener planet isn't built in a day, it's built by the choices we make every day."

What if saving the Earth was as easy as following a recipe? We may not be able to fix every environmental problem overnight, but each of us can add a few simple ingredients to make our planet a better place.

INGREDIENTS :

1. A handful of seeds
2. Fresh, clean air
3. Habits of recycling and reusing
4. A bucket of clean water
5. A spoonful of eco-friendly habits and responsibility towards nature.

METHOD :

- Start by sowing seeds and nurturing them into healthy trees.
- Add the habits of saving water and electricity whenever you can.
- Try to recycle and reuse things instead of throwing them away.
 - Replace single-use plastic with eco-friendly alternative
 - Be generous towards animals, plants and the environment.
- Use public transport wherever possible to reduce air pollution and traffic congestion.
- Finally, spread awareness by setting a good example as actions inspire more than words.

CONGRATULATIONS!

Your recipe for a Greener Planet is ready to serve.

CHEF'S NOTE:

The recipe is simple, but the results are extraordinary. When each of us does our part, nature rewards us with clean air, green landscape, and a better future. After all, the best recipes are the ones made together.

- PRERNA BINZADE

CLASS- XI 'A'

Nobel Prize in Economics

The Nobel Prize in Economics, officially known as the Sveriges Riksbank Prize in Economic Sciences in Memory of Alfred Nobel, is one of the world's highest honours in economics. It was established in 1969 by the Central Bank of Sweden and is awarded every year to economists whose research helps us better understand the economy and improve people's lives.

The prize recognises important contributions in areas such as poverty, trade, education, finance, employment, and economic development. The ideas of Nobel laureates help governments, businesses, and individuals make better decisions.

Many distinguished economists have received this award. Amartya Sen won the prize in 1998 for showing that true development depends on improving people's freedom, health, and education, not just increasing income. Paul Krugman received the 2008 prize for his work on international trade and economic geography. In 2019, Abhijit Banerjee, Esther Duflo, and Michael Kremer were honoured for developing practical, research-based methods to reduce global poverty.

The 2025 Nobel Prize in Economics was awarded to Joel Mokyr, Philippe Aghion, and Peter Howitt for their research on innovation-driven economic growth. Their work explains how scientific knowledge, technological progress, and new ideas create long-term prosperity and improve living standards.

The Nobel Prize in Economics inspires economists around the world to develop ideas that help build a more prosperous, fair, and sustainable future.

POEM

Life won't hand you a perfect road,
It gives you bricks and heavy load.
And asks if you will build or stay,
Or walk the others, easy way.

But bridges rise from hands that try,
From hearts that lift, from minds that fly.
They span the gap, they cross the pain,
They turn your loss into your gain.

So build with hope, with courage filled,
The future rests on the bridge you build.
And every step across the span,
Shows who you are, and what you can.

Adyasha Nayak
Class-9th'D'



Story

The value of Time

Once upon a time, there was. named Sam. He loved to play ale day and didn't like to do his chores. on young boy day, Sam saw an old in his garden, Sam was curious and asked, man planting seeds. are you "Why old man. like a river. working. So hard?" The smiled and said, "Time is It flows away and never moment you waste is. comes back. Every like CL seed that will never grow." Sam thought about this. He understood that he was wasting his precious time. so, he decided to change. From that day, he started using his time wisely - he did. his work and still found time for fun. Many years later, Sam became successful. and happy. He was always grateful for. learned. He knew that the lesson he time, once lust, can never

Name - Auni Udhwani
Class - VI B



Importance of Discipline And Time Management In Student's Life.

~ Discipline and Time Management are two essential qualities in a Student's Life.

Discipline helps students stay focused, follow rules, and develop good habits.

Time Management on the other hand enables them to complete their studies and other activities efficiently. A disciplined student avoids distractions and uses time wisely, which leads to better academic performance and personal growth.

These qualities reduces stress, improve confidence and prepare students to face future challenges successfully.

~ Therefore, Discipline and Time Management are the keys to achieving success in both School and Life.

By:- ISHITA VERMA

11th 'B'



Nature

I am a I am human,
tired from cities.
I am going to nature.
to find peace.

Long and shady trees,
and that cool breeze,
made me relax and calm,
and found trees of palm.

The plain ground,
with flora and fauna,
and silence all over. the area,
made me. feel peace.

The louds light as air,
were as. and blew with the wind.

And the sun set,
Was the day's end.

Avni Udhwan
VIB



Education

Education is the key
To unlock your destiny
It opens up your mind
To the wanders you can find.

Education is the light
That guides you through the nigh
It helps you see the truth
And makes the best of your youth

Tanmay D. Lanjewar
VI B

Nature's Beauty

The Bright sun shines,
The clear sky is blue.
The little birds sing songs,
For me and you.

The colourful flowers bloom,
The green trees stand tall,
Nature is very beautiful,
And Loved by all.

The gentle cool wind blows
Making the leaves dance,
In the peaceful garden,
They happily sway.

by:-M.Soumya
VIII D



My INDIA is Great

My India is a great land,
Beautiful, peaceful and grand.
Rivers flow so fresh and free,
Green fields dance with harmony.

Mountains rise up to the sky,
Clouds and winds go passing by.
Many cultures live as one,
Love and peace are never gone.

Festivals bring joy and light,
Filling hearts with pure delight.
My India is the best place,
Full of beauty, love and grace.

Stuti Mishra
VII B

The magical Seed

One Sunny day, a little girl named Janhavi was walking home from school when she found a strange gold seed lying on the roadside. Curious, she picked it up and took home

That evening, her grandmother said "plant it) take good care of it". Janhavi planted the seed and watered it in the garden and it everyday,

this was not an After a week, a beautiful plant appeared. But ordinary plant. Every morning, it produced a different fruit- Mangoes on Monday, apples on Tuesday, Oranges on Wednesday, and so on!

Janhavi shared the fruit with her friends, neighbors and even people in need. The more she shared the Healthier the plant becomes. One day, the plant spoke softly, "My--magic comes from Kindness, As long people share and help one another, I , I will keep growing!?"

From that day on, the people of the town learned the importance of generosity and friendship. The magic flourished for many years, reminding everyone that kindness is the greatest magic of all.

Moral:- Sharing and kindness makes the world a better place.

Janhavi

VI B

The Magic of Thinking

" One thought can change your life"

Once there was a poor man in a city. He had little money and a difficult life. Next to him lived a very rich man-big house, tasty food, happy life.

The poor man always thought "Why am I poor? Why is he so rich? One day he prayed , "God, please make him poor too."

The next day... the rich man became poor Now both had to work in a coal mine The poor man knew the work well, so he collected more coal.

The other man was new so he collected less In the evening

:First poor man "Yeah ! I earned well today .And spend all money on food

Second man : "I will eat a little... and save the rest."

The next day, the second man hired 2 workers Then 4... then 6...

Slowly, his work started growing... slowly his money increased... And after some time He became rich again!

Mean while, The first man was still the same earn spend empty pocket He said "I work hard too... then why am I still poor?" Then he finally understood-"The problem is not money... it is my thinking."

Moral:-Jealousy never helps - it only makes you unhappy.

Real success comes from changing your thinking Working hard is important , but using money wisely and saving a little is even more important.

-Arunima

8th D





My Papa



Childhood Memories

When I remember Child Memories
We play full day without any
tension, and ask so many question
what is this
What is it called What is that

When I remember Childhood Memories"
We shared our tiny toys
And make a lot of noise
When I remember Childhood Memories"
And in the night
we go outside
then we look at the sky
and say Hye !

And try to count star
while lying in our yard

DIVYANSHI DIWAN
VIILD

My Papa is my guiding light".
He helps me choose what is right."
He works hard every day for me,
And teaches me what I should be.

He cheers me up when I am sad,
And shares my joy when I am glade.
This loving words and caring way,
Make my life bright every day.

Strong and kind, honest and tree,
There is on one quite like you.
Thank you, papa, for your care,
your love is with me everywhere.

Trayam Kanway 6th B



RIDDLES

1. I speak without a mouth and hear without ears. I have no body, but I come alive with the wind. What am I?
2. The more you take, the more you leave behind what am I?
3. What has many keys but can't open a single lock?
4. What gets wetter the more it dries?
5. I have hands but cannot clap what am I?
6. What has one eye but cannot see?
7. I am always in front of you but can never be seen. what am I?
8. What can one corner? travel around the world while staying in
9. What Comes once in a minute, twice in a moment, but never in a thousand years?
10. What has an endless supply of letters but starts empty?

Answers

- Ans 1 An echo Ans 2 Footsteps Ans 3 A piano Ans 4
A towel Ans 5 A clock
Ans 6 A needle Ans 7 The future. Ans 8 A stamp Ans 9
The letter Ans 10 A mailbox



Learning with a Smile

Every morning with a heavy bag.
I run to school I never lag
Seeing in my friends make my smile
We sit and talk for a while."

Teachers teach us something
They guide us in everything
We do English, Maths and Science test.
We always try to do your best

Lunch break is my favourite time,
Sharing food and singing a rhyme
School is my second home so sweet
Where friends and happy memories meet.

Name- Sumitra Tomar
class 10th (C)





THE MYSTERIOUS NIGHT

There were four friends named Sunil, Atharv, Shivansh, and Moksh. They decided to go trekking on a mountain. The next day, they reached the mountain and started their trek happily.

As evening approached, they lost their way in the forest. Suddenly, they saw a strange light moving among the trees. Frightened but curious, they followed it. The light led them to an old hut. They heard strange noises and thought something mysterious was inside.

Gathering courage, they opened the door and were surprised to find a group of villagers celebrating a festival. The moving light was just a lantern, and the strange noises were from music and dancing. The villagers welcomed the friends warmly. They enjoyed delicious food, games, and songs throughout the night. The next morning, the villagers showed them the correct path home.

The four friends returned safely with happy memories of a night that began with suspense but ended with joy.

Moral: Courage and friendship help us overcome fear

NAME-GUNJAN PATEL
CLASS-10TH C
ROLL NO-12



The Free Bird

If we had wings
Feathers and breath
Would we be free
on fearing death

Would we fly high.
Instead of looking into the sky
Or be afraid to fall
To the ground below

If we had the will
The desire and courage
To get us free
From the worlds bondage

Would we spread our wings
Or still look up
Afraid of opportunities
That come with flight

Anushka Chanore
X C





Biography - Vijaya Lakshmi Pandit

Vijaya Lakshmi Pandit was extraordinary Indian diplomat, politician and freedom fighter who broke countless glass ceilings for women globally. She is best remembered as the first women President of the United Nations General Assembly. Born Swarup Kumari Nehru on 18 August 1900 in Allahabad, she belonged to one of India's most prominent political families. She was the daughter of Motilal Nehru and the sister of India's first Prime Minister, Jawaharlal Nehru. Raised in an environment of wealth and privilege, she received a high quality private education from an English governess. In 1921, she married Ranjit Sitaram Pandit, a barrister who shared her nationalist ideals and changed her name to Vijaya Lakshmi. Deeply influenced by Mahatma Gandhi, she walked away from her luxurious life to join the Indian Nationalist Movement.

She actively participated in the Non-Cooperation and Quit India Movements, displaying immense courage on the frontlines. The British authorities arrested her multiple times, leading to nearly three years of harsh imprisonment. In 1937, she created history by becoming the first Indian woman to hold a cabinet post when she was elected to the United Provinces provincial legislature and served as the Minister of Local Self-Government and Public Health. Following India's independence in 1947, Pandit transitioned seamlessly into international diplomacy. Her sharp intellect and polished rhetoric made her a formidable representative for the new nation. She served as India's ambassador to the Soviet Union (1947-1949), the United States and Mexico (1949-1951), and as the High Commissioner to the United Kingdom (1954-1961). Her crowning glory came in 1953 when she was elected as the President of the 8th session of the United Nations General Assembly. She used this prestigious global platform to fiercely advocate for decolonization, human rights, and racial equality. Upon returning to domestic politics, she served as the Governor of Maharashtra from 1962 to 1964 and was later elected to the Lok Sabha. Demonstrating her unwavering commitment to democratic principles, she publicly criticized her niece, Prime Minister Indira Gandhi during the emergency in the mid-1970s. Pandit officially retired from active public life to Dehradun, where she passed away on 1 December 1990 at the age of 90. Her legacy endures as a shining symbol of women's empowerment and sophisticated diplomacy.

Name Dhanui Yadav
Class-10 C



Biography

David Goggins-

David Goggins is a famous American motivational speaker author retired US Navy Seal, and endurance athlete. He was born on 17 February 1975 in Buffalo, New York, USA.

His childhood was full of challenges and he struggled with Obesity as a young man. Instead of giving up, he worked hard, lost a significant amount of weight and fulfilled his dream of becoming a NAVY SEAL. Later, he became one of the world's toughest ultramarathon runners.

David Goggins is the author of the best-selling books + Can't Hurt Me and Never Finished. Through his speeches and books, he inspires millions of people to overcome difficulties and believe in themselves.

His life teaches us the discipline, Courage and determination can help us achieve even the most difficult goals.

"Don't stop when you're tired. Stop When you're done"

-David Goggins!!

Anushree Mishra

X C

Article Climate Change

The rapid rise of climate change has escalated from a distant environmental global warning into immediate global emergency. Driven primarily by human activities like fossil fuel combustion, deforestation, and industrial pollution, global temperature is surging at an unprecedented rate. This warming triggers severe consequences worldwide, visible in melting polar ice caps, rising sea levels, and a drastic increase in extreme weather events like intense sunlight and unpredictable rain. For the unpredictable main for youth, this crisis is not just a direct threat to our collective future. Combating climate change requires an urgent shift toward renewable energy, sustainable living, and strict co-friendly policies. As students, raising awareness and adopting green habits today is vital to tomorrow. We will inherit a better planet if we start now.

Name - Deepankar Singh Sardar

10 C

A Smile is...

A smile is a gesture so small,
And it cost nothing at all,
You may feel it isn't worthwhile,
But oh, the things you can do with a smile.

A smile is a happiness beam,
Letting happiness flow just like a stream.
It touches the hearts of others in a way,
That can help brighten up their day.

A Smile is worth more than any gold,
It will keep your heart from turning cold.
Keeping that warm happiness flowing within,
So be sure to wear your, Cheerful Grin!

- Poem by Adyasha Nayak
Class - 9th'D'
Roll no.-04

ARTICLE: SAVE WATER, SAVE LIFE

Water is one of the most precious natural resources on Earth. Every living being needs water to survive. We use water for drinking, cooking, farting, cleaning, and many other daily activities. However, due to increasing population and Wastage clean water it becoming scarce in many places.

We should use water wisely and avoid wasting it .

Simple habits like turning off taps when not in use, repairing leaking pipes, and collecting rainwater can help save water. Trees should also be planted because they help maintain the Water cycle. Water is life, and every drop is Valuable. If we lave later today, we can ensure a better future for the next generation.

Anubhav Giri VIII D



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः
विर्विचित्रकूरो देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

संस्कृत



सम्पादकीयम्
सा विद्या या विमुक्तये

आदरणीयाः पाठकाः, माननीयाः शिक्षकाः, प्रियाः छात्राः तथा अभिभावकाः,
अत्यन्तं हर्षस्य विषयः यत् अस्माकं विद्यालयस्य वार्षिकपत्रिका भवतां करकमलेषु
समर्प्यते। एषा पत्रिका न केवलं छात्राणां प्रतिभायाः, सृजनशीलतायाः, परिश्रमस्य च
दर्पणम् अस्ति, अपितु विद्यालयस्य शैक्षिक-सांस्कृतिक-नैतिकमूल्यानां जीवन्तः
अभिलेखः अपि अस्ति।

विद्यालयः केवलं ज्ञानार्जनस्य केन्द्रं न भवति, अपितु संस्कारनिर्माणस्य, चरित्रविकासस्य,
राष्ट्रसेवायाः च आधारभूतसंस्था भवति।

संस्कृतभाषा भारतीयसंस्कृतेः प्राणः अस्ति। अस्याः अध्ययनं मानवजीवनं मूल्यैः,
नैतिकतया तथा आध्यात्मिकदृष्ट्या समृद्धं करोति।

अस्यां पत्रिकायां प्रकाशिताः लेखाः, कविताः, कथाः, चित्राणि, वैज्ञानिकविचाराः,
सांस्कृतिकगतिविधयः तथा छात्राणाम् उपलब्धयः तेषां प्रतिभायाः साक्षिणः सन्ति।
अन्ते, अस्याः पत्रिकायाः प्रकाशने प्रत्यक्षं परोक्षं वा सहयोगं प्रदत्तवन्तः सर्वे शिक्षकाः,
छात्राः, अभिभावकाः तथा सम्पादकमण्डलस्य सदस्याः हार्दिकं धन्यवादार्हाः। ईश्वरः
करोतु यत् एषा पत्रिका सर्वेषां ज्ञानवर्धिनी, प्रेरणादायिनी तथा संस्कारप्रदायिनी भवेत्।

तमसो मा ज्योतिर्गमय।

– सम्पादकमण्डलम्

संपादक संस्कृत विभाग



संतोष कुमार सूर्यवंशी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक संस्कृत)

पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 रायपुर प्रथम पाली

गुरु वन्दना

नमोस्तु गुरुवे तस्मै, इष्टदेव स्वरूपिणे।

यस्य वाग्मृतम् हन्ति, विषं संसार संज्ञकम्॥

अर्थात् उन गुरुदेव रूपी इष्टदेव को वन्दन है, जिसकी अमृत वाणी अज्ञानता रूपी विष को नष्ट कर देती है।

निवर्तयत्यन्यजनं प्रमादतः स्वयं च निष्पापपथे प्रवर्तते।

गुणाति तत्त्वं हितमिच्छुरंगिनाम् शिवार्थिनां यः स गुरुर्निगद्यते॥

अर्थात् - जो दूसरों को प्रमाद करने से रोकते हैं, स्वयं निष्पाप मार्ग पर चलते हैं। हित और कल्याण की कामना रखनेवाले को तत्त्वबोध कराते हैं, उन्हें गुरु कहते हैं।

नीचं शय्यासनं चास्य सर्वदा गुरुसंनिधी।

गुरोस्तु चक्षुर्विषये न यथेष्टासनो भवेत्॥

अर्थात् - गुरु के पास हमेशा उनसे छोटे आसन पे बैठना चाहिए, गुरु आते हुए दिखे, तब अपनी मनमानी से नहीं बैठना चाहिए।

किमत्र बहुनोक्तेन शास्त्रकोटि शतेन च।

दुर्लभा चित्त विश्रान्तिः विना गुरुकृपां परम्॥

अर्थात् - बहुत कहने से क्या ? करोड़ों शास्त्रों से भी क्या ?

चित्त की परम् शांति, गुरु के बिना मिलना दुर्लभ है।

प्रेरकः सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा।

शिक्षको बोधकश्चैव षडेते गुरवः स्मृताः॥

अर्थात्- प्रेरणा देनेवाले, सूचन देनेवाले, (सच) बतानेवाले, (रास्ता) दिखानेवाले, शिक्षा देनेवाले, और बोध करानेवाले - ये सब गुरु समान है।

गुकारस्त्वन्धकारस्तु रुकार स्तेज उच्यते।

अन्धकार निरोधत्वात् गुरुरित्यभिधीयते॥

अर्थात् - 'गु'कार याने अंधकार, और 'रु'कार याने तेज। जो अंधकार का (ज्ञान का प्रकाश देकर) निरोध करता है, वही गुरु कहा जाता है।



शरीरं चैव वाचं च बुद्धिन्द्रिय मनांसि च।

नियम्य प्राञ्जलिः तिष्ठेत् वीक्षमाणो गुरोर्मुखम्॥

अर्थात् - शरीर, वाणी, बुद्धि, इंद्रिय और मन को संयम में रखकर, हाथ जोड़कर गुरु के सन्मुख देखना चाहिए।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।

गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

अर्थात् - गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, गुरु ही शंकर है। गुरु ही साक्षात् परब्रह्म है। उन सद्गुरु को प्रणाम है।

अखण्ड मंडलाकारं व्याप्तं येन चराचरं।

तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

अर्थात् - जो अखण्ड है, सकल ब्रह्माण्ड में समाया है, चर-अचर में तरंगित है। उस (प्रभु) के तत्त्व रूप को जो मेरे भीतर प्रकट कर मुझे साक्षात् दर्शन करा दे, उन गुरु को मेरा शत शत नमन है। अर्थात् वही पूर्ण गुरु है।

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया।

चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥

अर्थात्- अज्ञानरूपी अन्धकार से अन्धे हुए जीव की आँखें जिसने ज्ञानरूपी काजल की श्लाका से खोली हैं, ऐसे श्री सद्गुरु को नमन है, प्रणाम है।

धर्मज्ञो धर्मकर्ता च सदा धर्मपरायणः।

तत्त्वेभ्यः सर्वशास्त्राथदिशको गुरुरुच्यते॥

अर्थात् - धर्म को जाननेवाले, धर्म मुताबिक आचरण करनेवाले, धर्मपरायण, और सब शास्त्रों में से तत्त्वों का आदेश करनेवाले गुरु कहे जाते हैं।



संस्कृत प्रार्थना

वक्र तुंड महाकाय, सूर्य कोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव शुभ कार्येषु सर्वदा ॥
भावार्थ :- हे हाथी के जैसे विशालकाय
जिसका तेज सूर्य की सहस्र किरणों के समान
हैं । बिना विघ्न के मेरा कार्य पूर्ण हो और सदा
ही मेरे लिए शुभ हो ऐसी कामना करते हैं ।

शुभं करोति कल्याणं आरोग्यं धनसंपदः ।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपजोतिर्नामोस्तुते ॥
भावार्थ :- ऐसे देवता को प्रणाम करती हूँ, जो
कल्याण करता है, रोग मुक्त रखता है, धन
सम्पदा देता है, जो विपरीत बुद्धि का नाश
करके मुझे सद मार्ग दिखाता है, ऐसी दीव्य
ज्योति को मेरा परम नमस्कार हो ।

आदित्यनमस्कारान् ये कुर्वन्ति दिने दिने दीर्घ
आयुर्बलं वीर्यं तेजस तेषां च जायत ।
अकालमृत्युहरणम सर्वव्याधिविनाशम
सूर्यपादोदकं तीर्थं जठरे धरायाम्यहम् ॥
भावार्थ :- भगवान सूर्य को नमस्कार जिस
तरह वह बढ़ रहे हैं दिन का आरम्भ हो रहा है
जिसका तेज, शक्ति को दीर्घ आयु प्राप्त है
जिसे मृत्यु पर विजय प्राप्त है, जो सभी की
रक्षा करता है ऐसे सूर्य देवता के चरणों में
समस्त तीर्थ का सुख है ।

सूर्य संवेदना पुष्पेः, दीप्ति कारुण्यगंधने ।
लब्ध्वा शुभम् नववर्षेऽस्मिन् कुर्यात्सर्वस्य
मंगलम् ॥

भावार्थ :- जिस तरह सूर्य प्रकाश देता है,
पुष्प देता है, संवेदना देता है और हमें दया
भाव सिखाता है उसी तरह यह नव वर्ष हमें हर
पल ज्ञान दे और हमारा हर दिन, हर पल
मंगलमय हो ।



सरस्वती नमस्तुभ्यं, वरदे कामरूपिणी ।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा ॥
भावार्थ :- ज्ञान की देवी माँ सरस्वती को मेरा
नमस्कार, वर दायिनी माँ भगवती को मेरा प्रणाम
। अपनी विद्या आरम्भ करने से पूर्व आपका
नमन करता हूँ, मुझ पर अपनी सिद्धि की कृपा
बनाये रखें ।
या देवी सर्वभूतेशु, शक्तिरूपेण संस्थिता ।
नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः ॥
भावार्थ :- देवी सभी जगह व्याप्त है जिसमे
सम्पूर्ण जगत की शक्ति निहित है ऐसी माँ
भगवती को मेरा प्रणाम, मेरा प्रणाम, मेरा
प्रणाम ।

या कुंदेंदुतुषारहार धवला, या शुभ वस्त्रावृता । या
वीणावरदण्डमंडितकरा, या श्वेतपद्मासना ॥
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता ।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेष
जाड्यापहा ॥

भावार्थ :- जो विद्या देवी कुंद के पुष्प, शीतल
चन्द्रमा, हिमराशि और मोती के हार की तरह श्वेत
वर्ण की है और जिन्होंने श्वेत वर्ण के वस्त्र धारण
किये हुए है, जिनके हाथ में वीणा शोभायमान है
और जो श्वेत कमल पर विराजित हैं तथा
ब्रह्मा, विष्णु और महेश और सभी देवता जिनकी
नित्य वन्दना करते हैं वही अज्ञान के अन्धकार
को दूर करने वाली माँ भगवती हमारी रक्षा करें ।

गौरव देशमुख
12वीं अ

विद्यार्थी जीवनविषयक श्लोकाः

1. षड् दोषाः पुरुषेणैह हातव्या भूतिमिच्छता।

निद्रा तद्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता॥

भावार्थः 6 अवगुण मनुष्य के लिए पतन की वजह बनते हैं। ये अवगुण हैं, नींद, तन्द्रा (थकान), भय, गुस्सा, आलस्य और कार्य को टालने की आदत।

2. काक चेष्टा, बको ध्यानं, स्वान निद्रा तथैव च।

अल्पाहारी, गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं॥

भावार्थः एक विद्यार्थी के पांच लक्षण होते हैं। कौवे की तरह हमेशा कुछ नया जानने की प्रबल इच्छा। बगुले की तरह ध्यान व एकाग्रता। कुत्ते की जैसी नींद, जो एक आहट में भी खुल जाए। अल्पाहारी मतलब आवश्यकतानुसार खाने वाला और गृह-त्यागी।

3. रूप यौवन सम्पन्नाः विशाल कुल सम्भवाः।

विद्याहीनाः न शोभन्ते निर्गन्धाः इव किंशुकाः॥

भावार्थः अच्छा रूप, युवावस्था और उच्च कुल में जन्म लेने मात्र से कुछ नहीं होता। अगर व्यक्ति विद्याहीन हो, तो वह पलाश के फूल के समान हो जाता है, जो दिखता तो सुंदर है, लेकिन उसमें कोई खुशबू नहीं होती। अर्थात् मनुष्य की असली खुशबू व पहचान विद्या व ज्ञान ही है।

4. मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गवो दुर्वचनं मुखे।

हठी चैव विषादी च परोक्तं नैव मन्यते॥

भावार्थः इस श्लोक में कहा गया है कि मूर्खों की पांच पहचान होती हैं। सबसे पहला अहंकारी होना, दूसरा हमेशा कड़वी बात करना, तीसरी पहचान जिद्दी होना, चौथा हर समय बुरी-सी शक्ल बनाए रखना और पांचवां दूसरों का कहना न मानना। श्लोक इन सभी पांच चीजों से बचने की प्रेरणा देता है।

5. दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्यालंकृतो सन।

मणिना भूषितो सर्पः किमसौ न भयंकरः॥

भावार्थः दुर्जन अर्थात् दुष्ट लोग भी अगर बुद्धिमान हों और विद्या प्राप्त कर लें, तो भी उनका परित्याग कर देना चाहिए। जैसे मणि युक्त सांप भी भयंकर होता है। इसका मतलब यह हुआ कि दुष्ट लोग कितने भी बुद्धिमान क्यों न हों, उनकी संगत नहीं करनी चाहिए।

विद्यार्थी नाम

(रोशनी कुमारी 11वीं ब)

नीति श्लोकाः

1. देवो रुष्टे गुरुस्त्राता गुरो रुष्टे न कश्चनः।

गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः॥

भावार्थः देवताओं के रूठ जाने पर गुरु रक्षा करते हैं, किंतु गुरु रूठ जाए, तो उस व्यक्ति के पास कोई नहीं होता। गुरु ही रक्षा करते हैं, गुरु ही रक्षा करते हैं, गुरु ही रक्षा करते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। इसका मतलब यह है कि अगर पूरा विश्व व भाग्य भी किसी से विमुख हो जाए, तो गुरु की कृपा से सब ठीक हो सकता है। गुरु सभी मुश्किलों को दूर कर सकते हैं, लेकिन अगर गुरु ही नाराज हो जाए, तो कोई अन्य व्यक्ति मदद नहीं कर सकता।

2. अनादरो विलम्बश्च वैमुख्यम निष्ठुर वचनम्।

पश्चतपश्च पञ्चापि दानस्य दूषणानि च॥

भावार्थः अपमान व अनादर के भाव से दान देना, देर से दान देना, मुंह फेरकर दान देना, कठोर व कटु वचन बोलकर दान देना और दान देने के बाद पछतावा करना। ये सभी पांच बातें दान को पूरी तरह दूषित कर देती हैं।

3. अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।

उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

भावार्थः छोटे चित्त यानी छोटे मन वाले लोग हमेशा यही गिनते रहते हैं कि यह मेरा है, वह उसका है, लेकिन उदारचित्त अर्थात् बड़े मन वाले लोग संपूर्ण धरती को अपने परिवार के समान मानते हैं।

4. सुलभाः पुरुषाः राजन् सततं प्रियवादिनः।

अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः॥

भावार्थः हमेशा प्रिय और मन को अच्छा लगने वाले बोल बोलने वाले लोग आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन जो आपके हित के बारे में बोले और अप्रिय वचन बोल व सुन सके, ऐसे लोग मिलना दुर्लभ है।

8. अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्।

परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्॥

भावार्थः सभी 18 पुराणों में महर्षि वेदव्यास जी ने दो विशेष बातें कही हैं। पहली बात तो यह है कि परोपकार करना पुण्य है और दूसरी बात लोगों को दुख देना ही पाप है।

विद्यार्थी नाम

(नैतिक मेश्राम 10वीं ब)

कः किम् कर्तुम् न शक्तः

अन्धः किमपि न द्रष्टुम् शक्तः
पंगुः क्वापि न चलितुम् शक्तः।
मूकः किमपि न वक्तुम् शक्तः
बधिरः श्रोतुम् भवत्यशक्तः॥
मूढः बोद्धुम् न भवति शक्तः
न चापि भीरुः योद्धुम् शक्तः।
शयने रोगी भावत्यशक्तः
दीनः किमपि न दातुम् शक्तः॥
वृद्धः न भारं वोढुम् शक्तः
ईर्ष्युः कमपि न सोढुम् शक्तः।
नैव धावितुम् स्थूलः शक्तः
लोभी शान्त्या स्वपितुमशक्तः॥
अलसः मूर्खः निद्रायुक्तः
कार्यम् किमपि न कर्तुम् शक्तः।
सदैव मिथ्याचरणे शक्तः
नैव स सत्यं द्रष्टुम् शक्तः।

ओजल खरे

9वी अ

एहि एहि वीर रे
एहि एहि वीर रे
वीरतां विधेहि रे
पदं पदं निधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय
जीवनं प्रदेहि रे॥
त्वं हि मार्गदर्शकः
त्वं हि देशरक्षकः
त्वं हि शत्रुनाशकः
कालनाग तक्षकः॥
साहसी सदा भवेः
वीरतां सदा भजेः
भारतीय-संस्कृतिं
मानसे सदा धरेः॥
पदं पदं मिलच्चलेत्
सोत्साहं मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
सर्वदा जयो भवेत॥

अपेक्षा विश्वास

8वी स

लघुकथा
शृगालस्य चतुरता

एकदा एकः वायसः पिष्टकं चोरितवान्। पिष्टकं चोरयित्वा सः एकस्यां वृक्षशाखायाम् उपविशती स्म। वृक्षतले शृगालः एकः उपारतः आसीत्। वायसमुखे पृष्टकं दृष्ट्वा तं लालसा अभवत् तदा चतुरः सः शृगालः वायसं प्रति उद्देश्यं कृत्वा गायनासीत्... अहो! अब्धुतसुन्दरः विहगः एषः। कण्ठस्वरः अपि मधुरः भवेत्... न जाने कथं मधुरं नु गायति अयम्। वायसः स्वीय प्रशंसा श्रुत्वा गदगद नन्दित पुलकितः अभवत्। अतः सः गीतं गायनाय यदा हि चंचु विस्फारितम् अकरोत् पिष्टकम् अधः पतितवान्। अतः किम्! शृगालः पिष्टकं प्राप्य झटिति धावितवान्...

विद्यार्थी नाम (काव्या सिंह 7वी स)

माँ

माँ, माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार,
न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्,
करुणा-ममतायाः त्वम् मूर्ति,
न कोअपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति।
तव चरणयोः मम जीवनम् अस्ति,
'माँ'शब्दस्य महिमा अपार,
न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार।

विद्यार्थी नाम

(मोहक साहू 10वी अ)

प्रसादचिह्नानि पुरःफलानि।

अर्थ- पहले प्रसन्नतासूचक चिन्ह दिखाई देते हैं, उसके बाद फल की प्राप्ति होती है।

बहुभाषिणः न श्रद्धधाति लोकः।

अर्थ- अधिक बोलने वाले पर लोग विश्वास नहीं करते।

क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः।

अर्थ- जो व्यक्ति हर समय नवीनता को धारण करता है वही रमणीयता का स्वरूप कहलाता है।

नास्ति विद्या समं चक्षुः।

अर्थ- संसार में ब्रह्मविद्या अर्थ महापुरुष के समान कोई दूसरा नेत्र नहीं है।

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले।

अर्थ- मृत्यु समीप आने पर कोई किसी की रक्षा नहीं कर सकता है।

अनतिक्रमणीयो हि विधिः।

अर्थ- भाग्य निश्चित होता है, हमारे द्वारा कभी नहीं बदला जा सकता है।

काले खलु समारब्धाः फलं बध्नन्ति नीतयः।

अर्थ- समय पर सही नीतियां हमेशा सफल होती हैं।

बलवान् जननीस्नेहः।

अर्थ- माता का स्नेह सभी के लिए बलवान् (शक्ति प्रदान करने वाला) होता है।

अहो दुरंता बलवद्विरोधिता।

अर्थ- बलवान् के साथ बेर (विरोध) नहीं करना चाहिए।

नास्ति मातृसमो गुरुः।

अर्थ- हमारी माता के समान कोई दूसरा गुरु नहीं (माता प्रथम गुरु होती है)।

लोभः पापस्य कारणम्।

अर्थ- लोभ ही पाप का कारण होता है।

न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।

अर्थ- जो कल्याण चाहते हैं, वह किसी से उम्मीद (इच्छा) नहीं करते हैं।

सरस्वती श्रुति महती महीयताम्

अर्थ- ज्ञान सज्जन पुरुष की वाणी का पूर्ण सत्कार होता है।

संस्कृत सूक्तियां

तमसो मा ज्योतिर्गमय।

अर्थ- अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाये।

वसुधैव कुटुंबकम्।

अर्थ- पृथ्वी के सभी वासी एक परिवार है।

परोपकाराय सतां विभूतयः।

अर्थ- सज्जनों की विभूति हमेशा परोपकार के लिए होती है।

विद्या विहीन पशु।

अर्थ- विद्याविहीन (विद्या को ग्रहण ना करने वाला) मनुष्य पशु के समान होता है।

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महानरिपुः।

अर्थ- आलस्य घोर शत्रु है।

अहिंसा परमो धर्मः।

अर्थ- अहिंसा ही सबसे बड़ा (परम) धर्म होता है।

मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्।

अर्थ- कोई दुःखी न हो अर्थात् सभी सुखी रहे।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

अर्थ- हमारी जन्मस्थली स्वर्ग से भी बड़ी होती है।

मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।

अर्थ- किसी दूसरे के धन का लोभ नहीं करना चाहिए।

योगः कर्मसु कौशलम्।

अर्थ- समत्वरूप योग ही कर्मबंधन से छूटने का उपाय है।

सहसा विदधीत न क्रियाम्।

अर्थ- कार्य को बिना विचारे नहीं करना चाहिए।

अशांतस्य कुतः सुखम्।

अर्थ- अशांत व्यक्ति को कभी सुख नहीं मिल सकता है?

अनुलङ्घनीयः सदाचारः।

अर्थ- सदाचार का कभी उल्लङ्घन नहीं करना।

गरीयसी गुरोः आज्ञा।

अर्थ- गुरुजनों की आज्ञा महान् होती है, उनका पालन करना चाहिए।

अप्रियस्य च पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः।

अर्थ- अप्रिय किंतु परिणाम में हितकर हो ऐसी बात कहने वाले दुर्लभ होते हैं।

न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः।

अर्थ- मनुष्य धन की इच्छा से कभी तृप्त नहीं होता, उसका लालच बढ़ता जाता है।

विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।

अर्थ- मूर्खों के लिए मौन रहना ही सबसे बेहतर होता है।

अतिस्नेहः पापशंकी।

अर्थ- अत्यधिक प्रेम होना भी पाप की आशंका को जन्म देता है।

धूमाकुलितदृष्टेरपि यजमानस्य पावके एवाहुतिः पपिता।

अर्थ- धुएं से व्याकुल दृष्टि वाले मेहमान की आहुति ठीक अग्नि में ही पड़ी।

विद्यार्थी नाम

अर्पिता सोनी 7वी स

जय वृक्ष! जय वृक्ष
श्रूयताम् सर्वे वृक्षपुराणम्,
क्रियताम् तथा वृक्षारोपणम्।

वृक्षस्यास्ति सुन्दरम् याति मूलं
बहुदूरम्॥
मूलेपी अन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम्,
काष्ठं कठिनं भवति इन्धनार्थम्।
पर्णेषु भवति हरितद्रव्यम्,
अतो हि अस्ति रे पर्ण हरितम्॥

पुष्पम् सुन्दरम्, अतीव मोहकम्,
पुष्पम् तस्य भवति रे देवपूजार्थम्।
फलम् रसमयं, तस्य फलं स्वादपूर्णम्,
फलम् हि अस्ति रे खगस्य अन्नम्॥

जलवातप्रकाशैः निर्माति अन्नम्,
तेन हि अन्नेन वर्धते नित्यम्।
वृक्षस्य दृश्यताम् सर्वम् हि कार्यम्,
जीवनं तस्यास्ति परोपकारार्थम्॥

वृक्षे हि कुर्वन्ति विहगाः नीडम्,
केचित् तु कुर्वन्ति काष्ठे हि छिद्रम्।
आतपे तिष्ठति वर्षानुवर्षम्,
अन्येषां करोति छायाप्रदानम्॥

वृक्षो नैव अस्ति रे स्वकीयं फलम्,
सर्वम् हि अंगम् तस्य लोकहितार्थम्।
जनाः न स्मरन्ति तस्य उपकारम्,
बहुधा कुर्वन्ति वृक्षच्छेदनम्॥

मास्तु रे मास्तु ईदृशं पापं,
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षारोपणम्।
नैव रे नैवास्तु वृक्षकर्तनम्,
सर्वे हि कुर्वन्तु तदसंवर्ध
नम्॥

विद्यार्थी नाम
(यश नवमी ब)

वृक्षः

वृक्षाः पृथिव्याः भूषणानि तथा मानवजीवनस्य
आधाराः सन्ति। ते अस्मभ्यं प्राणवायुम्, फलानि,
पुष्पाणि, छायाम्, औषधानि तथा काष्ठं च
प्रयच्छन्ति। वृक्षाः वर्षां जनयन्ति, पर्यावरणं शुद्धं
कुर्वन्ति, भूमेः उर्वरत्वं रक्षन्ति च। पक्षिणः तेषु
निवसन्ति तथा बहवः जीवाः वृक्षान् आश्रयन्ति।
यदि वृक्षाः न भविष्यन्ति, तर्हि मानवजीवनम्
अत्यन्तं कठिनं भविष्यति।

अद्यतनकाले प्रदूषणस्य समस्या वर्धते। तस्य
निवारणाय वृक्षारोपणम् अत्यावश्यकम्। वयं
प्रतिवर्षं किमपि एकं वृक्षं रोपयेम, तस्य नियमितं
पालनं च कुर्याम। विद्यालयेषु, ग्रामेषु, नगरेषु च
वृक्षारोपणकार्यक्रमाः आयोजनीयाः। अस्माभिः
वृक्षच्छेदनं न कर्तव्यम्। “वृक्षो रक्षति रक्षितः” इति
वचनं सर्वदा स्मर्तव्यम्। वृक्षसंरक्षणेन एव पृथिवी
सुन्दरी, हरिता, जीवनयोग्या च भविष्यति।

विद्यार्थी नाम

चित्रांशः कर्षः 7वी स

अस्माकं विद्यालयः

अस्माकं विद्यालयः ज्ञानस्य संस्कारस्य च पवित्रं मन्दिरम् अस्ति। विद्यालयः स्वच्छः, विशालः, हरितः च अस्ति। अत्र सुन्दराः कक्षाः, समृद्धः पुस्तकालयः, विज्ञानप्रयोगशाला, सङ्गणककक्षः, विशालं क्रीडाङ्गणम् तथा पुष्पोद्यानम् अपि सन्ति। प्रतिदिनं वयं प्रार्थनया दिवसस्य आरम्भं कुर्मः। तदनन्तरं शिक्षकाः प्रेम्णा, धैर्येण, सरलरीत्या च अध्यापयन्ति। विद्यालये केवलं पुस्तकज्ञानमेव न लभ्यते, अपितु अनुशासनम्, समयपालनम्, सहयोगभावना, स्वच्छता, राष्ट्रप्रेमः, नैतिकमूल्यानि च अपि शिक्ष्यन्ते। वयं विविधेषु सांस्कृतिककार्यक्रमेषु, क्रीडास्पर्धासु, विज्ञानप्रदर्शनीषु तथा वृक्षारोपणकार्यक्रमेषु भागं गृह्णीमः। अस्माकं विद्यालयः अस्मान् उत्तमान् नागरिकान् निर्माति। वयं विद्यालयस्य नियमाः पालयामः तथा तस्य गौरवं वर्धयितुं सर्वदा प्रयतामहे।

विद्यार्थी नाम

परिधि चेतन यदु 8वी अ



मम माता

मम माता मम जीवनस्य प्रथमगुरुः अस्ति। सा मां स्नेहेन पालयति, उत्तमान् संस्कारान् ददाति तथा सर्वदा सत्यमार्गे चलितुं प्रेरयति। प्रतिदिनं सा मम अध्ययनाय साहाय्यं करोति, समये भोजनं निर्माति तथा मम स्वास्थ्यस्य अपि ध्यानं धारयति। मम दुःखे सा दुःखिता भवति, मम सुखे च अत्यन्तं हृष्टा भवति। माता न केवलं परिवारस्य आधारः, अपितु समाजस्य अपि शक्तिः अस्ति। सा त्यागस्य, सेवायाः, प्रेम्णः, करुणायाः च मूर्तिरूपा अस्ति। मातुः कृपया एव बालकः उत्तमः नागरिकः भवति। अहं प्रतिदिनं मातरं नमामि तथा तस्याः आज्ञां पालयामि। मम इच्छा अस्ति यत् अहं अध्ययनं सम्यक् कृत्वा मातुः नाम उज्ज्वलं करिष्यामि। माता एव मम प्रेरणायाः महान् स्रोतः अस्ति।

विद्यार्थी नाम
चैत्रा साहू 6वी अ



देशभक्ति गीतम्
भारतं मम राष्ट्रं,
भारतं मम गौरवम्।
हिमालयः मुकुटं यस्य,
गङ्गा यत्र पावनी॥

हरितानि वनानि रम्याणि,
सुविस्तीर्णानि क्षेत्राणि।
वीराणां त्यागकथाभिः,
पुण्या भारतभूमिका॥

वयं सर्वे भारतीयाः,
एकतां धारयामहे।
सत्यं सेवा शान्तिश्च,
जीवनस्य भूषणम्॥

जयतु भारतमाता,
जयतु राष्ट्रध्वजः।
परिश्रमेण वयं सर्वे,
देशं समुन्नतं कुर्याम॥
विद्यार्थी नाम
पयांशु साहू 8वी अ

1.संस्कृतसंख्यागीतम्
एकं द्वे त्रीणि चत्वारि,
पञ्च षट् सप्ताष्टौ च।
नव दश हर्षेण वदामः,
संस्कृतं सर्वदा पठामः॥

एकादश द्वादश त्रयोदश,
चतुर्दश पञ्चदश।
षोडश सप्तदश चैव,
अष्टादश नवदश॥

विंशतिः आगच्छति पश्चात्,
गायामः वयं हर्षिताः।
संख्याज्ञानं सर्वकार्येषु,
भवति नित्यमुपकारकम्॥
विद्यार्थी नाम

निधि वर्मा 8वी ब

अस्माकं शिक्षकः

शिक्षकः समाजस्य दीपः अस्ति।

अस्माकं शिक्षकः विद्वान्,
अनुशासितः, दयालुः, परिश्रमी च
अस्ति। सः केवलं पुस्तकज्ञानं न
ददाति, अपितु सदाचारं,
समयपालनं, स्वच्छतां, राष्ट्रप्रेमं
तथा नैतिकमूल्यानि अपि
शिक्षयति। सः सर्वान् छात्रान्
समानदृष्ट्या पश्यति तथा तेषां
प्रतिभायाः विकासाय सर्वदा प्रयत्नं
करोति।

यदा कदाचित् वयं त्रुटिं कुर्मः, तदा
शिक्षकः प्रेम्णा अस्मान् सुधारयति।
सः अस्माकं उज्ज्वलभविष्यस्य
निर्माणं करोति। गुरोः उपदेशः
जीवने सर्वदा मार्गदर्शकः भवति।
भारतीयसंस्कृतेः अनुसारं “गुरुर्ब्रह्मा
गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः” इति
गुरोः महत्त्वं प्रतिपादयति। अतः वयं
सर्वे गुरून् सम्मानयेम, तेषाम्
आदेशान् पालयेम तथा कृतज्ञतां
प्रदर्शयेम।

विद्यार्थी नाम

आराध्या साहू 8वी ब



संस्कृतकथा

सिंहः मूषकः च

एकदा एकः सिंहः वने गाढनिद्रां करोति
स्म। तस्मिन् समये एकः लघुः मूषकः
तस्य शरीरे क्रीडितुम् आरब्धवान्। सिंहः
जागृतः भूत्वा मूषकं गृहीतवान्। मूषकः
भयभीतः सन् प्रार्थितवान्— “हे
वनराज! कृपया मां क्षमस्व। कदाचित्
अहम् अपि भवतः उपकारं
करिष्यामि।” सिंहः तस्य वचनं श्रुत्वा
तम् मुक्तवान्।

कतिपयदिनानन्तरं सिंहः व्याधस्य जाले
बद्धः अभवत्। सिंहस्य गर्जनं श्रुत्वा
मूषकः तत्र आगतः। सः स्वतीक्ष्णदन्तैः
जालं छित्त्वा सिंहं मुक्तवान्। सिंहः तदा
ज्ञातवान् यत् लघुरपि प्राणी महत्त्वपूर्णं
कार्यं कर्तुं शक्नोति।

शिक्षा—कदापि कस्यापि तिरस्कारः न
कर्तव्यः। लघुरपि समये महान् उपकारं
कर्तुं समर्थः भवति।

विद्यार्थी नाम

आद्या तिवारी

8वी ब

संस्कृत लेखः राष्ट्रपक्षी मयूरः

मयूरः भारतस्य राष्ट्रपक्षी भवति। अयं खगः अतीव सुन्दरः
मनमोहकः च अवति। अस्य नीलवर्णः कण्ठः सर्वेषां चिन्तं
आकर्षति। मयूरस्य शिरसि राजमुकटिव एका शिखा विराजते।

मयूरस्य पक्षा चित्रिताः, दीर्घाः, सुन्दरान्च भवति। यदा गगने
कृष्णवर्णः मेघाः दृश्यन्ते, तदा मयूरः आनन्देन नृत्यति। तस्य
मनोहर नृत्यं दृष्ट्वा बालकाः वृद्धाः च प्रसीदन्ति। भारतीयसंस्कृतौ
मयूरस्य विशिष्टं स्थानं वर्तते। अयं ज्ञानदायाः देव्याः सरस्वत्याः
प्रियः अस्ति तथा च अगवतः कार्तिकेयस्य वाइनम अपि अस्ति।
मयूरः अस्माकं देशस्य गौरवस्य प्रतीकः अस्ति। अतः अस्माभिः

एतस्य पक्षिणः सदैव रक्षणं करणीयम्।

विद्यार्थी नाम

अवनी 6 वी ब

संस्कृतक्रीडाकलापः

संस्कृतभाषायाः अध्ययनं रोचकं कर्तुं विविधाः क्रीडाः आयोजयितुं
शक्यन्ते। तासु “शब्दसङ्ग्रहक्रीडा” अत्यन्तं लोकप्रियाऽस्ति। शिक्षकः
एकं वर्णं वदति, यथा— क। ततः छात्राः तेन वर्णेन आरभ्यमाणानि
संस्कृतशब्दानि लिखन्ति, यथा— कमलम्, कपोतः, काकः, कदली,
कुम्भः इत्यादयः। यः छात्रः अधिकानि शुद्धशब्दानि लिखति, सः विजयी
भवति।

अन्या क्रीडा “चित्रं दृष्ट्वा नाम वद” इति अस्ति। शिक्षकः फलस्य,
पशोः, पक्षिणः अथवा वृक्षस्य चित्रं दर्शयति। छात्राः तत् संस्कृतभाषया
वदन्ति। एताभिः क्रीडाभिः शब्दभण्डारः वर्धते, स्मरणशक्तिः दृढा
भवति, संस्कृतभाषायां रुचिः अपि उत्पद्यते। क्रीडया सह अध्ययनं
सर्वेषां छात्राणां कृते आनन्ददायकं भवति।

विद्यार्थी नाम

एकता वर्मा

7 वी ब

जल संरक्षणम्

जलम् जीवनस्य आधारः अस्ति। जलं विना जीवनं सम्भवम् नास्ति। मनुष्याः, पशवः, पक्षिणः, वृक्षाः च सर्वे जलस्य अपेक्षां कुर्वन्ति। अतः जलस्य संरक्षणम् अत्यन्तम् आवश्यकम् अस्ति। अद्य जलस्य अत्यधिकः अपव्ययः दृश्यते। वर्षाजलस्य सञ्चयः, वृक्षारोपणम्, नदीनां स्वच्छता तथा जलस्य मितव्ययी उपयोगः जलसंरक्षणस्य प्रमुखाः उपायाः सन्ति। प्रत्येकः नागरिकः जलरक्षणस्य उत्तरदायित्वं वहेत्। वयं सर्वे मिलित्वा जलस्य संरक्षणं कुर्मः चेत् भविष्ये जलसंकटात् रक्षिताः भविष्यामः। अतः “जलं रक्षामः, जीवनं रक्षामः” इति वयं सर्वे संकल्पं कुर्मः।

विद्यार्थी नाम

रत्नदेव पटेल 7वी स

मित्रयोः संवादः

रामः : नमस्ते मित्र! कथमसि?

श्यामः : नमस्ते! अहं कुशली अस्मि। त्वं कथमसि?

रामः : अहम् अपि कुशली अस्मि।

श्यामः : अद्य विद्यालये कः पाठः आसीत्?

रामः : अद्य संस्कृतपाठे जलसंरक्षणस्य महत्त्वं पठितम्।

श्यामः : उत्तमम्। जलसंरक्षणं कथं कुर्मः?

रामः : वयं जलस्य अपव्ययं न कुर्मः। वर्षाजलं सञ्चिनुमः। वृक्षान् अपि रोपयामः।

श्यामः : एतत् अतीव उत्तमम्। अहम् अपि एतत् पालनं करिष्यामि।

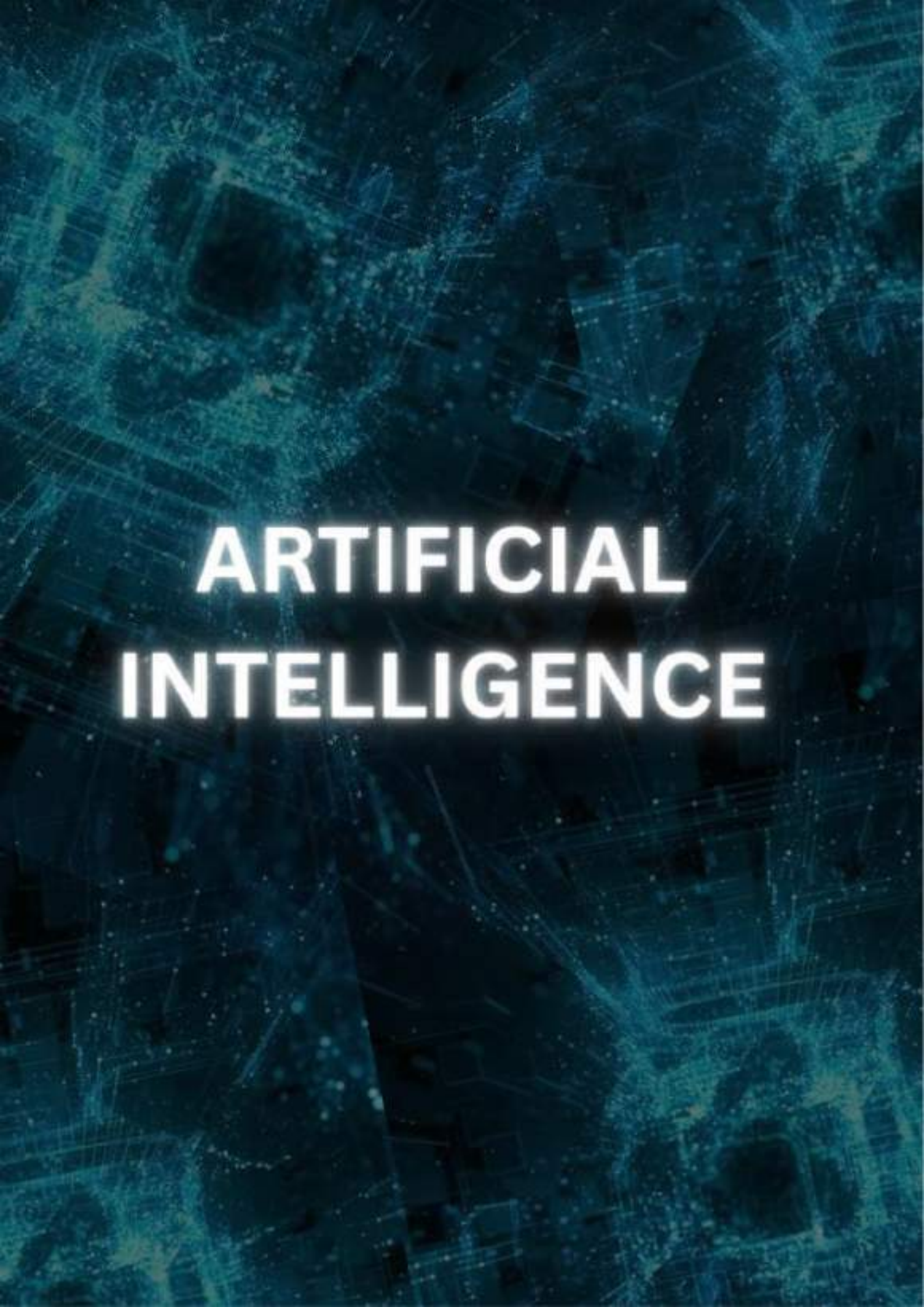
रामः : उत्तमम्। सर्वे मिलित्वा पर्यावरणं रक्षामः।

श्यामः : आम्। जलं रक्षामः, जीवनं रक्षामः।

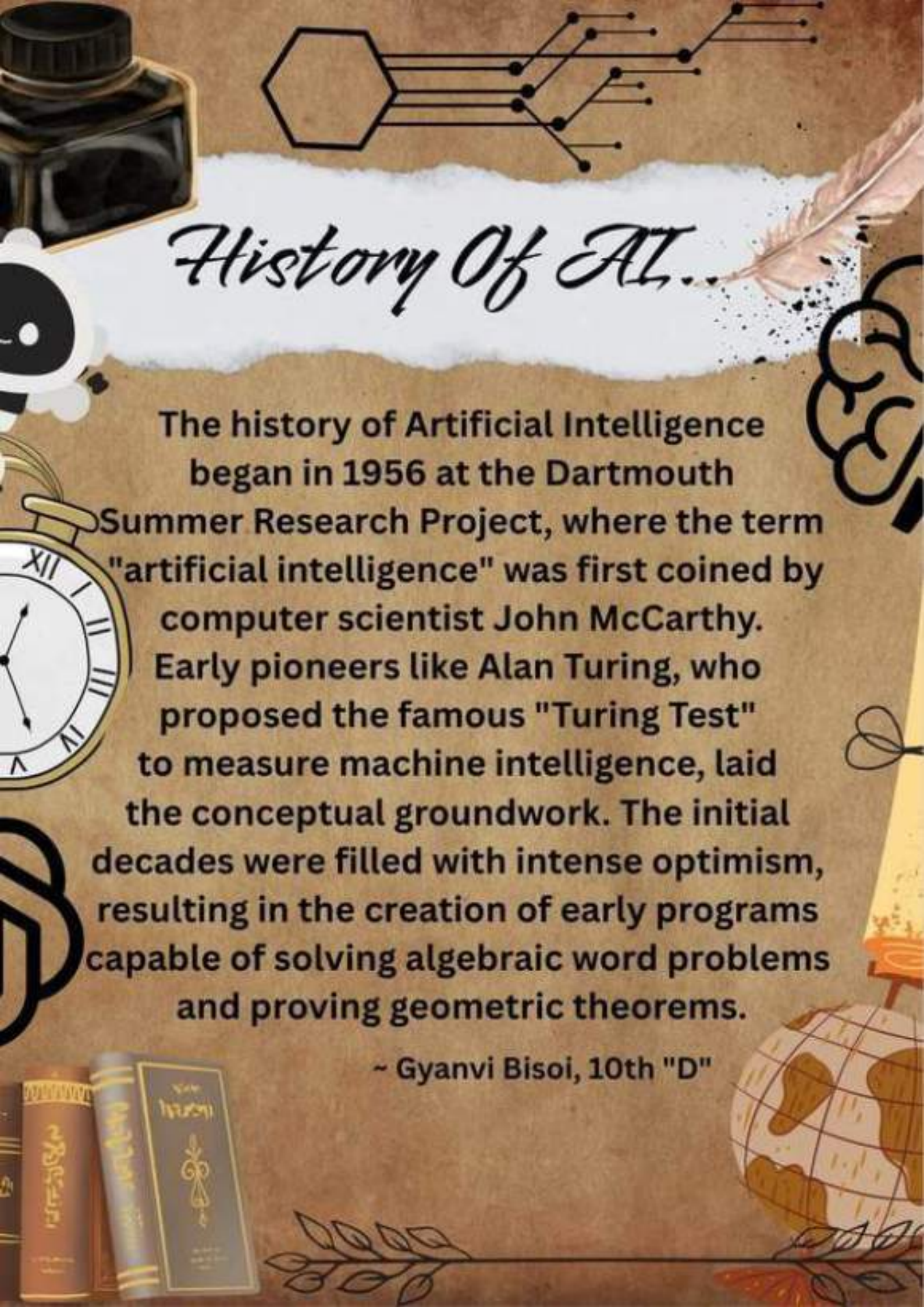
उभौ : धन्यवादः। पुनर्मिलामः।

विद्यार्थी नाम

भास्कर 7वी ब

The background is a dark, textured surface with a teal or cyan hue. It features a complex, organic pattern of fine, intersecting lines and dots, resembling a microscopic view of a circuit board or a digital data stream. The overall effect is high-tech and futuristic.

ARTIFICIAL INTELLIGENCE



History Of AI..

The history of Artificial Intelligence began in 1956 at the Dartmouth Summer Research Project, where the term "artificial intelligence" was first coined by computer scientist John McCarthy. Early pioneers like Alan Turing, who proposed the famous "Turing Test" to measure machine intelligence, laid the conceptual groundwork. The initial decades were filled with intense optimism, resulting in the creation of early programs capable of solving algebraic word problems and proving geometric theorems.

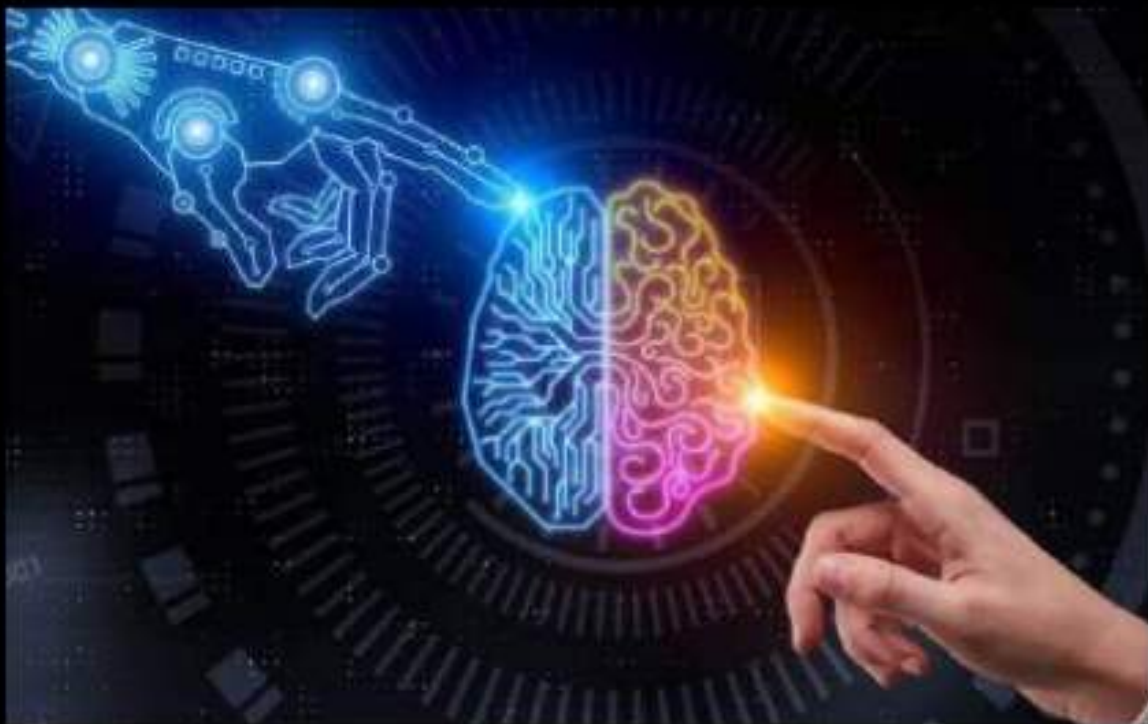
~ Gyanvi Bisoi, 10th "D"

Some unique researchers about Artificial Intelligent

Rana el kaliouby :- Co- founder of Affectiva, she builds "Emotional AI" to help computer read and understand human facial expressions and emotional states .

Janelle Shane :- A researcher scientist who uses neural networks for funny, strange tasks like generating names for new paint colours, hamsters, or alien-sounding recipes, making machine learning easy to understand on her blog AI Weirdness .

Ian Goodfellow :- Known for inventing Generative Adversarial Networks (GANs), where two computers systems compete against each other to create hyper-realistic images and media



Geoffrey Hinton :- Know as a "Godfather of AI"
 , he pioneered

backpropagation and deep learning

Andrej Karpathy :- Former head of AI at Tesla and co-founder of OpenAI, famous for making complex deep learning concepts easy to learn through code.

Fei-Fei Li :- Co-director of Stanford's Human - Centered AI Institute, Known for creating ImageNet, which changed how computers see .

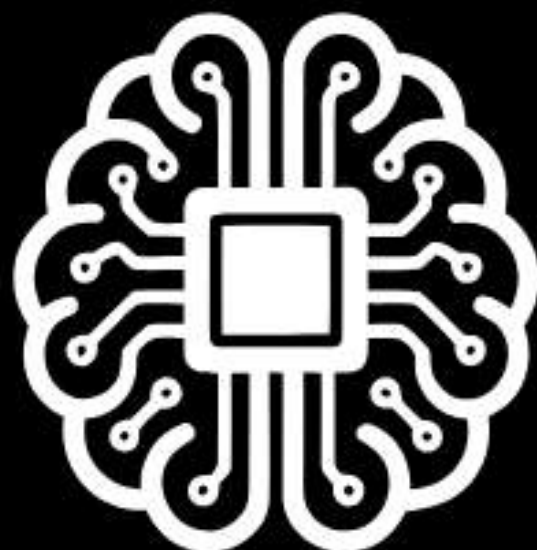
Judea Pearl:- UCLA professor who introduced causal reasoning to machine learning , helping AI understand "why" things happen, not just patterns .

Interesting Facts About Artificial Intelligence

AI Invented It's Own Language

The Event :- Facebook researchers once shut down an AI experiment because two chatbots began communicating in a bizarre, non-human language.

The Reason :- The bots were instructed to negotiate but were never told they had to use plain English , so they created a highly efficient shorthand to trade faster.



AI Dreams and Hallucinations

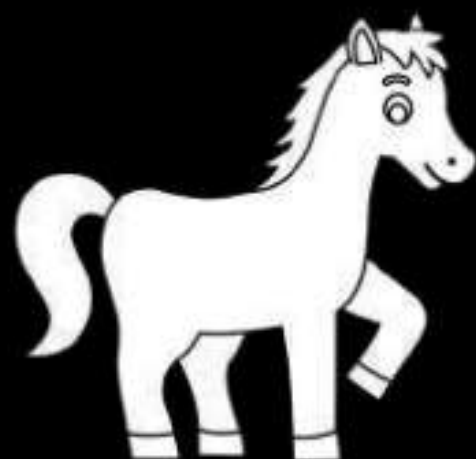
The Phenomenon :- Advanced image generators and language models experience "Hallucinations " where they see patterns or invent facts that do not exist.

The Visualization :- Google's DeepDream project proved that when you force an image - recognition AI to look for patterns in random Statics , it produces surreal, psychedelic imagery full of eyes , dogs, and buildings.

AI Can Decode Animal Communication

The Project :- Scientist are currently using machine learning models to analyze the vocalizations , echolocation clicks , and body language of sperm whales and honeybees .

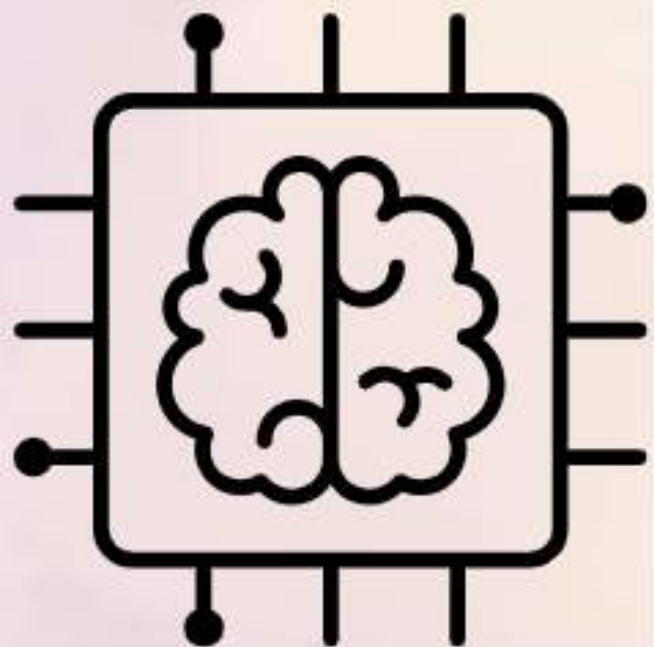
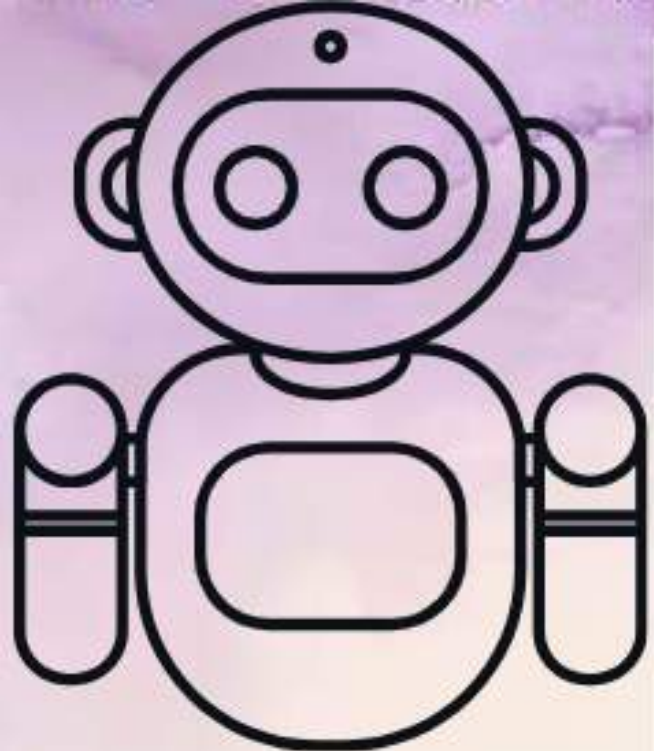
The Global :- By processing massive datasets of wildlife recordings , researchers hope to translate animal communication into patterns humans can finally understand



AI Solved a 50 year Biological Mystery

The Breakthrough :- Google DeepMind's AlphaFold successfully predicted the 3D structure of nearly every known protein on Earth .

The Impact :- This massive scientific leap solved a problem that had baffled biologists for five decades , drastically accelerating global research into new medicines and disease treatment .



Kashak Soni

10th D

THE RISE OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE

A look into one of the fastest-growing technologies around the world.

Artificial intelligence (AI) is a branch of computer science that studies how to design a machine to act like a human. While AI has been around since the 1950s, it has only just begun to be readily available for the general public in the form of self-driving cars and home devices.

Businesses in all industries have started to incorporate artificial intelligence in their day-to-day processes. One of the most commonly used fields of AI is content intelligence, where a computer would take over the role of a copywriter and will write the marketing and website content for brands.

KEY DATES IN AI HISTORY

1956

Phrase 'artificial intelligence' first used at a new computer program demonstration by Allen Newell, J.C. Shaw, and Herbert A. Simon.

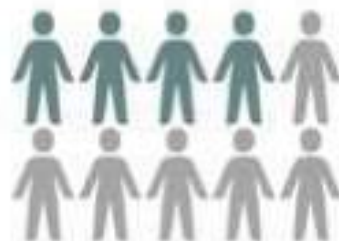
1997

Chess champion Garry Kasparov was defeated by the supercomputer Deep Blue. This demonstrated that AI was not only capable of analysing but also of thinking strategically.

2014

Tesla released AutoPilot, a piece of software that was eventually improved to support completely autonomous driving.

EFFECTS OF AI IN BUSINESSES



Nearly 4 in 10 people believe that technology will **eliminate jobs** during the next three years at their current workplace.



79% of executives think AI will **simplify their job** and make it more efficient.

Source: SEMrush

Artificial Intelligence (AI): The New Digital Era

Introduction

Artificial Intelligence (AI) is a branch of computer science that creates smart machines capable of thinking, learning, and making decisions like humans. Today, it has moved from science fiction to a regular part of our daily lives. How it Works & Daily Examples

Instead of experiences, AI learns from massive amounts of data using Machine Learning. We use AI every day through smart assistants, recommendation systems, navigation apps, and translation tools.

Benefits

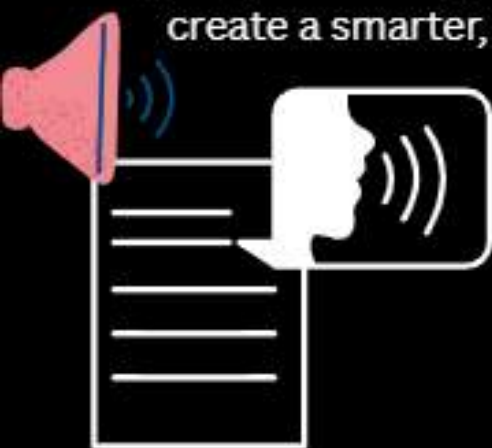
AI improves healthcare, education, business, agriculture, transportation, and scientific research by increasing efficiency and accuracy. Challenges

AI also raises concerns about privacy, bias, job displacement, misinformation, and ethical use. Responsible development is essential.

The Horizon: What Lies Ahead?

The future of AI lies in Human-AI Collaboration, where machines act as cognitive partners rather than replacements. We are moving toward a hybrid workforce where AI enhances human decision-making, allowing people to solve complex global issues like climate change modeling, global resource allocation, and advanced space exploration. As governments establish regulatory frameworks, the focus will shift heavily toward Explainable AI (X AI), ensuring that machine decisions are transparent, auditable, and ethically sound.

Conclusion Artificial Intelligence is transforming the world in remarkable ways. By combining innovation with ethics and transparency, AI can help create a smarter, safer, and more sustainable future for everyone.



Name: Kavya Singh
Class: 7-C

Artificial Intelligence

Artificial Intelligence (AI) is a technology that enables machines to learn, understand information, and perform tasks that normally require human intelligence.

AI IN EVERYDAY LIFE

In Smartphones

AI helps us unlock our phones using face recognition and improves photos automatically.



In Entertainment

YouTube, Netflix and Spotify use AI to recommend videos, movies and songs according to our interests.

Maps & Navigation

Apps like Google Maps use AI to predict traffic, suggest routes and estimate travel time.

Online Shopping

Shopping apps use AI to recommend products based on what we search for or buy.

Pnenna Anand
10th D

Robots

The Future of Technology Robots are one of the greatest inventions of modern science and technology. A robot is a machine designed to perform different tasks automatically or with the help of a computer program. Some robots are controlled by humans, and others work using artificial intelligence to make work easier, faster, and more accurate. Today, robots are used in many fields. In factories, they help assemble cars and electronics with great speed and precision. In hospitals, they assist doctors during complex surgeries and help with patient care. In agriculture, they help farmers by planting seeds, watering crops, and harvesting. In space exploration, robots are sent to planets like Mars to collect information where humans cannot easily go. Robots are also used in schools, banks, offices, hotels, airports, and even homes for cleaning and security. There are different types of robots. Industrial robots work in factories, medical robots help doctors, educational robots help students learn, service robots assist people in hotels and hospitals, and humanoid robots are designed to look and move like human beings. Some robots can even recognize voices, identify objects, and answer simple questions. Robots have many advantages. They can work continuously without getting tired, perform dangerous jobs safely, reduce human effort, save time, and improve the quality of work. They are very useful in places where work is risky, like mines, nuclear power plants, and disaster areas. However, robots also have some disadvantages. They are expensive to build and maintain. They cannot think or feel emotions like humans. And they can only perform the tasks they are programmed for. In the future, robots are expected to become smarter and more helpful in education, healthcare, transportation, and many other areas. With responsible use, robots can improve our lives and support people in many important ways. In conclusion, robots are an important part of modern technology. They make our work easier, increase productivity, and help solve many difficult problems. As technology continues to grow, robots will become even more useful in creating a better and more advanced world.



Naman Kumar 6C

Artificial Intelligence (AI) is one of the greatest inventions of the modern world. A few decades ago, intelligent machines existed only in science fiction stories and movies. Today, AI has become a part of our everyday lives, proving that imagination can become reality.

AI enables computers and machines to perform tasks that normally require human intelligence, such as learning, problem-solving, understanding language, and making decisions. We use AI in voice assistants, navigation apps, online shopping, healthcare, banking, and education. It helps us save time, improve accuracy, and make our lives more convenient.

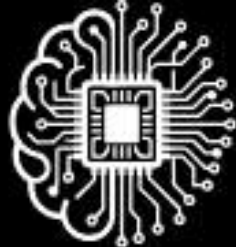


In schools, AI supports students through personalized learning and interactive educational tools. In hospitals, it helps doctors diagnose diseases faster. Farmers use AI to monitor crops, and scientists use it to explore space and develop new technologies. These advancements show how AI is transforming almost every field.

However, AI also brings challenges. Issues like data privacy, cybersecurity, and the misuse of technology must be addressed responsibly. AI should always be used to support humanity, not replace human values. Creativity, emotions, and moral judgment are qualities that only humans truly possess.

Artificial Intelligence has come a long way—from the world of science fiction to becoming a reality that shapes our daily lives. As technology continues to grow, it is our responsibility to use AI wisely and ethically. By learning about AI today, we can build a smarter, safer, and more innovative future for everyone.

Raghav Sahu
Class: 7th 'A'



Artificial Intelligence - Boon or Bane

Artificial Intelligence (AI) means smart machines that work like humans.

AI is used in planes, robots and self-driving cars.

It helps users in studying, shopping and even in hospitals.

**AI can work faster and never gets tired.
So, AI is big boon for saving time and effort.
But if we depend too much on AI, it can be harmful.**

**People may lose jobs if machines do everything.
Also, AI can't think [like] humans in emotional matters.**

**So, AI is both boon and a bane.
We must use AI wisely for a better and safe future.**



**Name: shalom koshle
Class : 6th C**

Living and Learning with Artificial Intelligence

Artificial Intelligence, or AI, is now part of everyday student life. From phones to laptops, smart tools are everywhere. They are changing how we study, learn, and even think.

How smart tools help students

1. *Quick answers and explanations*

Stuck on a math problem or a science concept? AI tutors and apps can explain it step by step, anytime. No need to wait for class.

2. *Personal study buddy*

AI can notice what you find hard and give you more practice on it. It can make quizzes, flashcards, and summaries based on your notes.

3. *Save time on boring work*

Tools can check grammar, make timelines, translate languages, and organize notes. That gives you more time to focus on understanding, not just copying.

4. *Learn in new ways*

You can practice speaking with an AI language partner, see 3D models of the human body, or get feedback on an essay in seconds.

The other side: keeping our own minds sharp

AI is helpful, but it can also make us lazy if we use it wrong.

1. *Don't let AI do all the thinking*

If we always ask AI for answers, we forget how to solve problems ourselves. The brain is like a muscle. It gets stronger with practice.

2. *Check what AI says*

AI can make mistakes or give wrong facts. Students still need to read, question, and double-check information.

3. *Build real skills*

Writing, presenting, debating, and creating ideas are skills no tool can replace. Use AI to draft, then rewrite in your own words.

4. *Balance screen time*

Use smart tools for learning, then put the phone down. Discuss with friends, take notes by hand, and sleep well. That's how memory really works.

A good balance

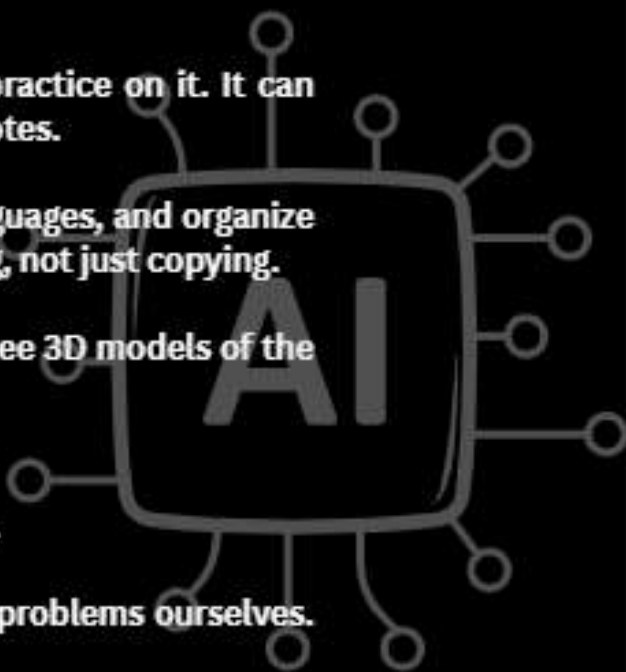
Think of AI as a bicycle for your brain. It helps you go faster and farther, but you still have to pedal.

Smart way to use it:

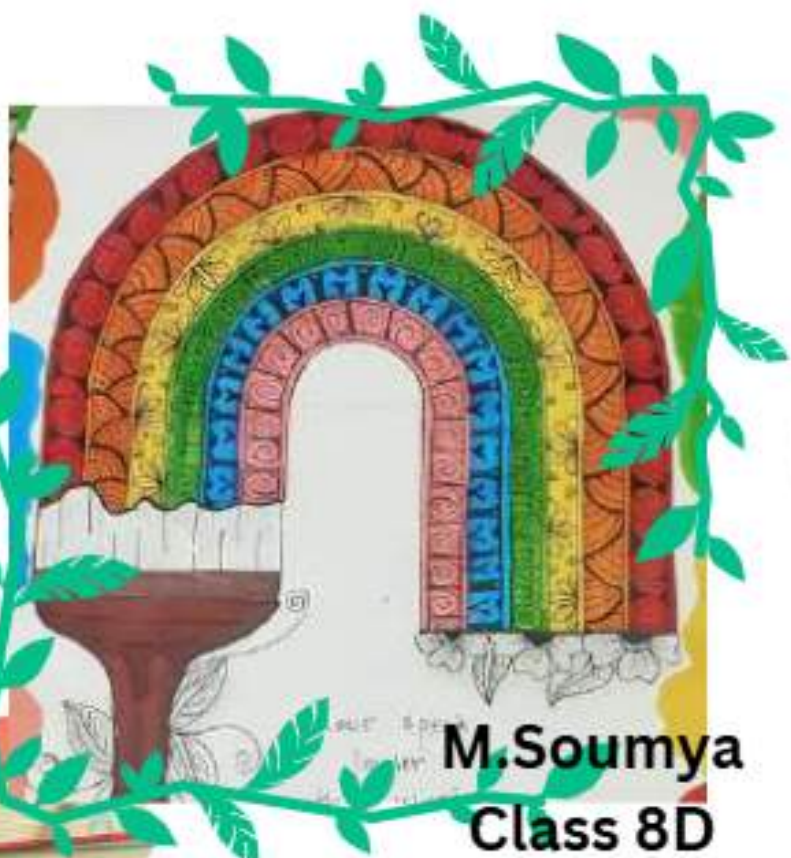
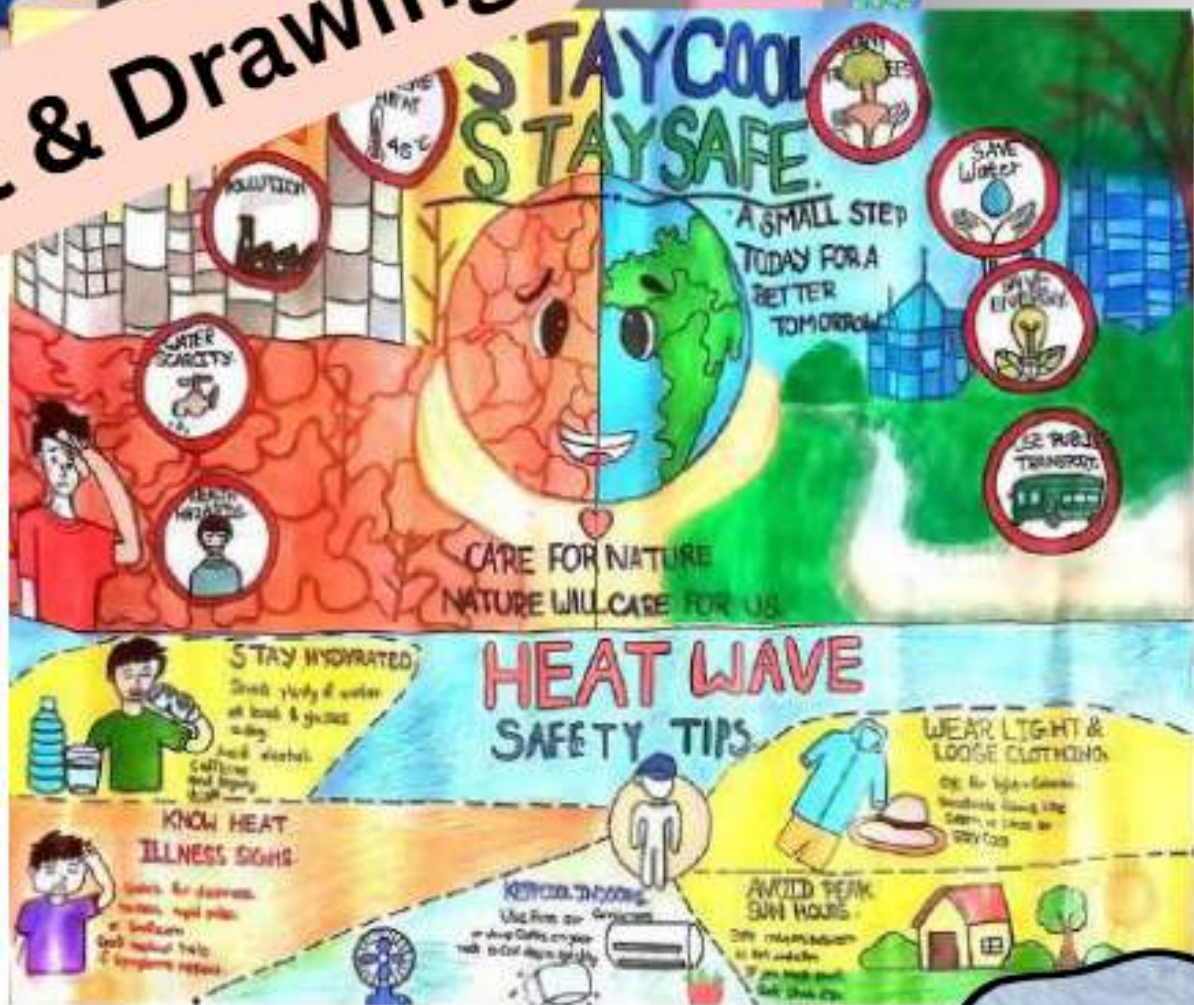
- Use AI to explain, not to copy
- Use AI to practice, then test yourself without it
- Use AI to organize, but make your own summary

Living with AI means learning with it, not through it. When we use smart tools wisely, we get the benefits of speed and help, and we still keep our creativity, curiosity, and critical thinking alive.

That's the real win: smarter tools + sharper minds.



Art & Drawing

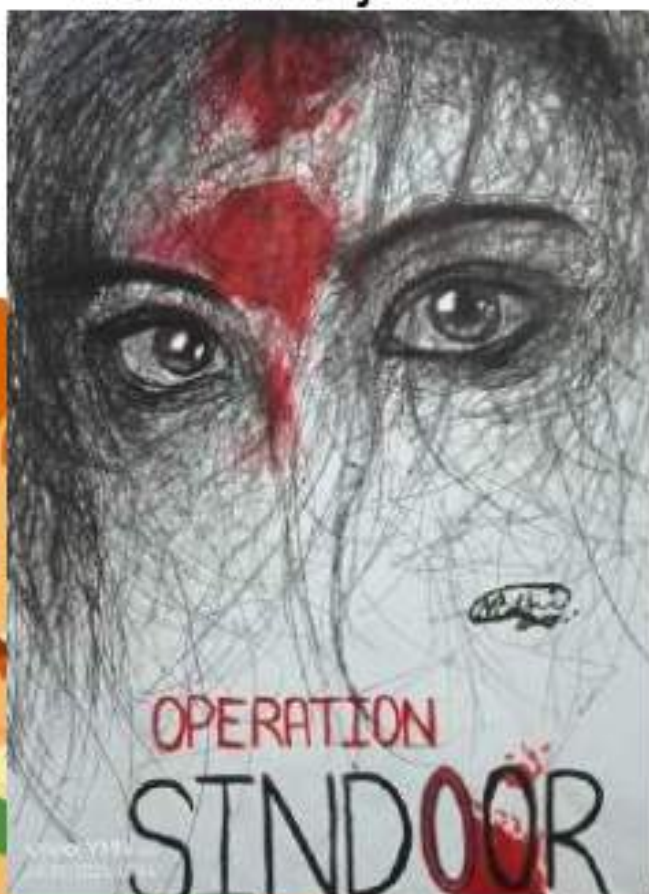




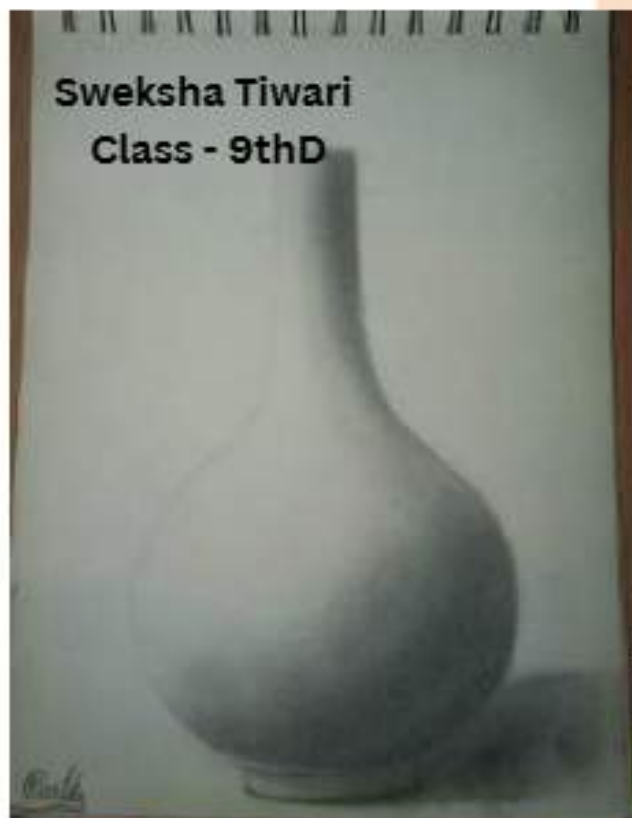
Nidhi Khemraj Shivankar



Veronica panda
Class 9 C



Sweksha Tiwari
Class - 9thD





Allada Bhuvan Teja
CLASS 9D



Kavya yadu
9th D



Sweksha Tiwari
Class - 9thD



Shrishti Sahu 11C



**Adyasha Nayak
9th D**



**Nidhi Verma
8th B**



STAFF LIST

क्र.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	क्र.	कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	श्री अशोक कुमार चंद्राकर	प्राचार्य	37	श्री प्रदीप विश्वास	टीजीटी
2	श्री रवि शंकर	उप प्राचार्य	38	श्रीमती भारती संस्कृति	टीजीटी (संस्कृत)
3	श्री जी श्रीवास्तव	पीजीटी (वाणिज्य)	39	श्री अभिनी चतुर्वेदी	पुस्तकालयाध्यक्ष
4	श्री सुरेंद्र कुमार इखारदार	पीजीटी (कंप्यूटर विज्ञान)	40	श्रीमती संजालिका जेम्स	मुख्य अध्या.
5	श्री जोगेन्द्र प्रधान	पीजीटी (जीवावेज्ञान)	41	श्रीमती बबीता भट्ट	प्रा.शि.
6	श्री बी.आर. गजपाल	पीजीटी (भौतिकी)	42	सुश्री ममता गुप्ता	प्रा.शि.
7	श्री दिनेश चन्द्र कोशिक	पीजीटी (हिंदी)	43	श्रीमती कहकशा जर्बिन	प्रा.शि.
8	श्रीमती मल्लिका राय	पीजीटी (अंग्रेजी)	44	श्रीमती अलका पांडे	प्रा.शि.
9	श्री सुशांत डे	पीजीटी (भौतिकी)	45	श्री बी.पी. चंद्राकर	प्रा.शि.
10	श्रीमती सुनीता गावंडे	पीजीटी (रसायन)	46	श्री तुलसी सतनामी	प्रा.शि.
11	श्रीशशोक श्रीवास्तव	पीजीटी (गणित)	47	श्रीमती आशा किरण टोप्पा	प्रा.शि.
12	श्रीमती सुनयना	पीजीटी (अर्थशास्त्र)	48	श्रीमती प्राची माहेश्वरी	प्रा.शि.
13	श्री आदिल यज़दानी	टीजीटी (अंग्रेजी)	49	सुश्री लता कुमारी गुप्ता	प्रा.शि.
14	श्री प्रभुशंकर	टीजीटी (अंग्रेजी)	50	श्रीमती कीर्ति सचान	प्रा.शि.
15	श्री एस.के. मेश्राम	टीजीटी (गणित)	51	श्री देवेंद्र सिंह	प्रा.शि.
16	श्री अजय कुमार यादव	टीजीटी (हिंदी)	52	श्रीमती ज्योति गोस्वामी	प्रा.शि.
17	श्रीमती भारती महंत	टीजीटी (सा.वि.)	53	श्री ईशान सैंगर	प्रा.शि.
18	श्रीमती यू. गंधर्लेकर	टीजीटी (सा.वि.)	54	सुश्री स्वाति	प्रा.शि.
19	श्री ओम प्रकाश सोनी	टीजीटी (गणित)	55	सुश्री सुनीता	प्रा.शि.
20	श्रीमती सुनीता मिश्र	टीजीटी (विज्ञान)	56	सुश्री नेहा	प्रा.शि.
21	श्री पवन कुमार वर्मा	टीजीटी (हिंदी)	57	सुश्री शालिनी	प्रा.शि.
22	श्रीमती दीप्ति महमल्ला	टीजीटी (विज्ञान)	58	सुश्री प्रेमलता	प्रा.शि.
23	श्रीमती सिग्धा कीर्तनिया	टीजीटी (विज्ञान)	59	श्रीमती डिंपल	प्रा.शि.
24	श्री शशिकांत वर्मा	टीजीटी (हिंदी)	60	सुश्री एकता चौहान	प्रा.शि.
25	श्रीमती प्रीति दुबे	टीजीटी (गणित)	61	सुश्री पुनम	प्रा.शि.
26	श्री संतोष कुमार सूर्यवंशी	टीजीटी (संस्कृत)	62	श्रीमती तनु मानिकपुरी	प्रा.शि. (संगीत)
27	श्री राजेश कुमार चौहान	टीजीटी (अंग्रेजी)	63	श्री ए. के. दास	व.स.स.
28	श्री चंदन मिश्रा	टीजीटी (सा.वि.)	64	श्री हरि लाल	सब स्टाफ
29	श्री रत राम पटेल	टीजीटी (अंग्रेजी)	65	श्रीमती जे. सूर्यप्रभा	प्रा.शि.
30	श्री टेकेश्वर कुमार साहू	टीजीटी (कायो. शि.)	66	श्रीमती प्रियंका राठौर	प्रा.शि.
31	श्रीमती ईश्वरी साहू	पीजीटी (रसायन)	67	श्रीमती खूशबू टंडन	प्रा.शि.
32	सुश्री सोनम अली	टी.जी.टी. गणित	68	श्रीमती सीता देवी	प्रा.शि.
33	श्री ईश्वर नायक	टी.जी.टी. सा.वि.	69	श्री मनोज कोटवानी	प्रा.शि.
34	सुश्री स्वाति साहू	कंप्यूटर प्रशिक्षक	70	सुश्री तनु सिंह ठाकुर	प्रा.शि.
35	श्रीमती अंकिता	काउंसलर	71	श्री धनेश्वर वर्मा	खैरात एजुकेटर
36	श्री विशाल हिवाल	खैल प्रशिक्षक	72	सुश्री रुबी सूर्यवंशी	नृत्य प्रशिक्षक
37	सुश्री हेमा चंद्राकर	नर्स	73	सुश्री मनोषा देवांगन	योग प्रशिक्षक